सांध्य दैनिक
भारत मत
Web- www.bharatmatepaper.com
■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित
झांसी, सोमवार 20 मई 2024 वैशाख शुक्लपक्ष-12, संवत 2081, वर्ष-09 अंक-281 कुल पृष्ठ-8
मूल्य₹ 2.00
Email- editorbharatmat@gmail.com

मौसम

	ग्वालियर	भोपाल
अधि.	44.0	40.0
न्यून.	29.0	29.0

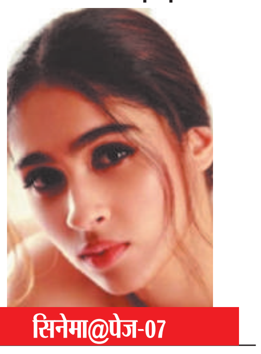
सिनेमा@पेज-07

आईएमडी का हीटवेव अलर्ट, अगले 24 घंटों में इन राज्यों में तेज होगी मौसमी हलचल

पहाड़ी इलाकों में भी गर्मी का सितम, 47 डिग्री पहुंचा दिल्ली-यूपी का तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी

तेज धूप, गर्म हवाएं और चिलमिलाती गर्मी से उत्तर भारत के लोगों को अभी कोई राहत नहीं मिलने वाली है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तर मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। हैरानी की बात यह है कि पहाड़ी इलाकों में भी लोगों के पसीने छूट रहे है। आईएमडी के ताजा अपडेट के अनुसार, हिमालचल प्रदेश के ऊना का तापमान 44 डिग्री के पार हो चुका है।

इन राज्यों में जारी गर्मी का सितम

रविवार को हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली के कई भागों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ भागों में भीषण गर्मी की स्थिति देखी गई। वहीं, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के कुछ भागों में और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर भी गर्म हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और राजस्थान उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों में 22 से 23 मई के दौरान लू चलने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, अगले 5 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गर्म हवा से लेकर गंभीर गर्मी की स्थिति जारी रहने की संभावना है। वहीं, पूर्वी और मध्य भारत में भी गर्म हवा की स्थिति बनी रहने की संभावना है। हालांकि, तेज गर्मी के बीच कई राज्यों में बारिश से लोगों को राहत मिल रही है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

केरल और तमिलनाडु में 'बेहद' भारी बारिश का रेड अलर्ट

इंदौर. उत्तर भारत में भीषण गर्मी के कारण जहां लोग परेशान हैं, वहीं दक्षिण भारत में मौसम विभाग ने भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 23 मई तक राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है, वहीं केरल और तमिलनाडु में 21 मई तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

तेजी से आगे बढ़ रहा है मानसूनः इस बीच मौसम विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण अंडमान सागर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर मौसम के बारे में जानकारी देने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि कोमोरिन क्षेत्र और दक्षिण तमिलनाडु तट पर समुद्र तल से ऊपर एक परिसंचरण बना हुआ है। वहीं दक्षिणी बांग्लादेश पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र निर्मित हुआ है। स्काईमेट ने भी बताया है कि अगले 24 घंटों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की उम्मीद है।

अगले 24 घंटे में इन राज्यों में बारिश के आसारः मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप, ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा अंडमान निकोबार द्वीप समूह में भी गरज के साथ भारी बारिश होने की उम्मीद है।

8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग: बंगाल में भाजपा-तृणमूल समर्थकों के बीच झड़प

गोविंदा, अनिल कपूर, अनुपम खेर बोले- 'घर से बाहर आएं और वोट करें', सचिन ने बेटे संग किया मतदान

नई दिल्ली , एजेंसी

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में आज 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर वोटिंग हो रही है। इन राज्यों में शामिल हैं - बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के साथ-साथ दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीटों पर मतदान हो रहा है, जिनमें गांधी परिवार के दबदबे वाली अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट भी शामिल है। अमेठी में स्मृति ईरानी का मुकाबला कांग्रेस परिवार के वफादार केएल शर्मा (किशोरी लाल शर्मा) से है। वहीं रायबरेली में राहुल गांधी के सामने भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह है। राजनाथ सिंह की उम्मीदवारी वाली लखनऊ सीट पर मतदान हो रहा है।करण भूषण सिंह, चिराग पासवान, राजीव प्रताप रूडी, पीयूष गोयल, उज्जवल निकम, उमर

अब्दुल्ला और रोहिणी आचार्य उन दिग्गजों में शामिल हैं, जिनकी प्रतिष्ठा दांव पर है।

सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 का पांचवें चरण में आज यानी 20 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान है। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा की पांच, बिहार की पांच, झारखंड की तीन, जम्मू कश्मीर की एक, लद्दाख की एक

सीट पर वोटिंग है। पांचवें चरण में कई बड़े दिग्गजों की चुनावी प्रतिष्ठा दांव पर है। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी, राहुल गांधी, चिराग पासवान, राजीव प्रताप रूडी, रोहिणी आचार्य,उमर अब्दुल्ला और पीयूष गोयल जैसे दिग्गज शामिल हैं। पांचवें चरण के साथ कुल 428 सीटों पर चुनाव संपन्न हो जाएगा।

नफरत के लिए नहीं प्यार के लिए करें वोट',

पांचवे चरण के मतदान पर खरगे और राहुल ने लोगों से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए 49 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान शुरू हो चुके हैं। चुनाव शुरू होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को लोगों से नफरत के लिए नहीं बल्कि प्यार के लिए वोट करने और बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के खिलाफ वोट देने का आग्रह किया। पांचवें चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान हो रहा है, जो कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और स्मृति ईरानी और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जैसे कई प्रमुख नेताओं के चुनावी भाग्य का फैसला करेगा। एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, अगर हम लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें वोट जरूर करना चाहिए। ईवीएम पर बटन दबाने से पहले याद रखें कि हमें प्यार और भाईचारे के लिए वोट करना चाहिए, नफरत के लिए नहीं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमें बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ वोट करना है, न कि कुछ पूंजीपतियों को अमीर बनाने के लिए। हमें अपने मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए वोट करना है, न कि उन लोगों के लिए जो हमारे अधिकार छीनते हैं।

'मोदी-मोदी' के नारे से गूंज उठा पुरी जगन्नाथ धाम

महाप्रभु का दर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी ने शहर में किया रोड शो

पुरी, एजेंसी

आज पुरी जगन्नाथ धाम का बड़दांड मोदी, मोदी नारे से प्रकंपित हो गया। देश के अन्य राज्यों की तरह पुरी में भी मोदी का जादू देखने को मिला। पूरा बड़दांड जनसमुंद में तब्दील हो गया।अपने प्रिय प्रधानमंत्री को देखने के लिए आज सुबह से ही बड़दांड के दोनों ओर भारी भीड़ देखी गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह पुरी पहुंचे और भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन करने के बाद एक विशाल रोड शो किए। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात भुवनेश्वर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजभवन में रात बिताई।आज सुबह 7 बजे वह पुरी के तलबणिया हेलीपैड पर पहुंचे। वहां से वह सीधे मंदिर गए और भगवान जगन्नाथ जी का दर्शन करने के साथ पूजा अर्चना किए। इसके बाद सुबह 8 बजे के बाद प्रधानमंत्री का रोड शो शुरू हुआ।

एक झलक के लिए उमड़ा जनसैलाब

प्रधानमंत्री को करीब से देखने के लिए लोगों का जनसैलाब बड़दांड में उमड़ आया था। प्रधानमंत्री के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन समल और पुरी से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार डॉ. संबित पात्रा भी थे। लोगों ने चेहरे पर मोदी का मुखौटा और हाथ में मोदी की तख्ती लेकर उनका स्वागत किया।मोदी ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन भी किया और दोनों तरफ के लोगों ने मोदी मोदी के नारे लगाए। अपने प्रिय प्रधानमंत्री को देखने के लिए लोगों में काफी उत्साह था।प्रधानमंत्री का रोड शो करीबन एक घंटे तक चला। बड़दांड के दोनों तरफ ओडिशा की संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। कहीं पर कलाकार प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए गोटी पुआ नृत्य कर रहे थे तो कहीं पर ओडिशी नृत्य कर रहे थे।

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला ने किए प्रभु महाकाल के दर्शन

उज्जैन, एजेंसी

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला ने सोमवार को उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। शैफाली भगवान महाकाल की भस्म आरती में भी शामलि हुई।अनेक अंग्रेजी और हिंदी संगीत वीडियो के साथ फिल्मों में अभिनय कर चुकी शेफाली अपने स्वजनों के साथ महाकाल मंदिर पहुंची थीं। वे आरती और पूजा के दौरान पूरे समय नंदी हॉल में मौजूद रहीं। उन्होंने करीब दो घंटे का समय महाकाल मंदिर में बिताया। उल्लेखनीय है कि शेफाली का म्यूजिक वीडियो कांटा लगा खासा लोकप्रिय हुआ था।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों देश-विदेश से बड़ी संख्या में भगवान महाकालेश्वर के दर्शन करने उज्जैन पहुंच रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच भी इन दिनों उज्जैन में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ देखी जा रही है। महाकाल महालोक देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग उज्जैन आ रहे हैं। शहर के अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ रही है।

बिहार में पिता बोले- केजरीवाल के जेल...

विभव ने ठुकराया था ये ऑफर, चौंकाने वाली बात सामने आई

कोचस (रोहतास), एजेंसी

स्वाति मालीवाल प्रकरण में विभव की गिरफ्तारी से उसके पिता व ग्रामीण हतप्रभ हैं। ग्रामीण अब तक नहीं जानते थे कि विभव अरविंद केजरीवाल के इतने खास हैं। इस प्रकरण से जुड़ी खबरें गांव में खूब पढ़ी और देखी जा रही हैं। प्रखंड क्षेत्र कोचस के खुदरु गांव निवासी मनोज राय, उदयचंद पांडेय, श्रीराम राय, रामनारायण राय व महेन्द्र पांडेय समेत अन्य लोगों ने कहा कि टीवी में देखा कि केजरीवाल अपने सारे मंत्रियों व विधायकों को लेकर भाजपा मुख्यालय पहुंचने और सभी की गिरफ्तारी की चुनौती दे रहे हैं। विभव की गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल का यह स्टैंड बड़ी बात है। इससे स्पष्ट है कि विभव आम आदमी पार्टी (आप) के लिए महत्वपूर्ण हैं। इधर, विभव कुमार के पिता महेश्वर राय उर्फ बड़े लाल राय ने कहा कि विभव ने अपनी निष्ठा व ईमानदारी के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। एक समय ऐसा भी आया था, जब आम आदमी पार्टी (क्क) से उन्हें राज्यसभा भेजने की तैयारी हो गई थी। तब उसने खुद अरविंद केजरीवाल को मना कर दिया था। शराब घोटाले में भी पूछताछ हुई थी, जिसमें वह बेदाग निकला। स्वाति मालीवाल मामले में भी वह बेदाग निकलेगा, क्योंकि जीत हमेशा सत्य की होती आई है।

गांव में ही रहते हैं विभव के पिता

विभव के पिता बीएमपी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर गांव में ही रहते हैं। वह भी मिलजुल कर रहते हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद पार्टी को मजबूती के साथ एक सूत्र में बांध कर रखने में विभव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है। देश की न्यायपालिका ही सच्चे लोगों को बचाई हुई है। उनका बेटा निर्दोष है और यह बात न्याय के मंदिर में भी साबित होकर रहेगा। वहीं, ग्रामीणों ने कहा कि विभव एक नेक, ईमानदार व कर्मठ व्यक्ति हैं। उनका स्वभाव किसी से मारपीट करने जैसा नहीं है।

बीजेपी दक्षिण में सबसे बड़ी पार्टी होगी, एनडीए 400 सीटें जीतने की ओर अग्रसर

कभी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं बोला, लेकिन 'विशेष नागरिक' को स्वीकार नहीं करूंगा: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटव्यू कहा कि इस दौरान पीएम ने कहा कि वह किसी को भी विशेष नागरिक के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे, उन्होंने कांग्रेस पर संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि दक्षिण में बीजेपी की कमजोरी का वर्णन कई मिथकों के समान है जैसे कि बीजेपी शहरी-केंद्रित, बनिया-ब्राह्मण पार्टी है। एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा, बीजेपी दक्षिण में सबसे बड़ी पार्टी होगी, एनडीए 400 सीटें जीतने की ओर अग्रसर है। पीएम मोदी ने इंटरव्यू में कहा कि मैंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला है। मैं कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति के खिलाफ बोल

रहा हूं। मैं कांग्रेस के संविधान के खिलाफ काम करने पर बोल रहा हूं। बाबासाहेब अम्बेडकर और पंडित (जवाहरलाल) नेहरू सहित भारत के संविधान निर्माताओं ने निर्णय लिया कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब जब आप उससे मुंह मोड़ रहे हैं तो उन्हें बेनकाब करना मेरी जिम्मेदारी है। बीजेपी कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है। एनडीए के लिए 400 सीटों का लक्ष्य हासिल करने के लिए दक्षिणी और पूर्वी राज्यों में बीजेपी की रणनीति पर एक सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा, हमारी रणनीति पूरे देश के लिए एक ही है- फिर एक बार मोदी सरकार और 4 जून, 400 पार; इसलिए राज्यों के आधार पर इसमें कोई अंतर नहीं है। 2019 (लोकसभा) चुनाव को देखें तो दक्षिण में तब भी सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी थी। मैं फिर से कहता हूं- इस बार दक्षिण में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा होगी और उसके सहयोगी इसमें और (सीटें) जोड़ेंगे। उनसे फिर पूछा गया कि क्या उनका इरादा कभी भी अपने चुनावी भाषणों में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का नहीं था, तो उन्होंने कहा, बीजेपी कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही है. न सिर्फ आज बल्कि कभी भी नहीं।

मैं संतुष्टि के रास्ते चलता हूं: पीएं मोजी

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं संतुष्टि के रास्ते पर चलता हूं। (वो लोग तुष्टिकरण के रास्तों पर चलते हैं, मैं संतुष्टिकरण के रास्तों पर चलता हूं)। उनकी राजनीति तुष्टिकरण की है। मेरी राजनीति सबका साथ, सबका विकास की है। हम सर्व धर्म समभाव में विश्वास करते हैं। हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। हम किसी को विशेष नागरिक मानने को तैयार नहीं हैं बल्कि सभी को समान मानते हैं। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या उन्हें सच में विश्वास है कि कांग्रेस वास्तव में हिंदुओं की संपत्ति मुसलमानों को दे देगी, या क्या यह सिर्फ एक अभियान था। मोदी ने कहा, सवाल मेरे ऐसा सोचने का नहीं है। बिना किसी तर्क के प्रचार करना पाप है। मैंने ऐसा पाप न तो कभी किया है और न ही करना चाहूँगा। उनके (विपक्ष) द्वारा ऐसा अतार्किक अभियान चलाया गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि जिस दिन कांग्रेस का घोषणापत्र आया था, उन्होंने कहा था कि इसमें मुस्लिम लीग की छाप है। कांग्रेस पार्टी को उसी दिन मुझे जवाब देना चाहिए था और कहना चाहिए था कि मोदी जी यह सही नहीं है।

इब्राहिम रईसी की मौत के बाद तनाव, विश्व की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई है। रईसी के साथ विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मालेक रहमती और धार्मिक नेता मोहम्मद अली आले-हाशेम की भी मौत हो गई।ईरानी राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर बीते दिन एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसका मलबा आज मिला। इस हादसे पर अब भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख जताया है। ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी के दुखद निधन से गहरा दुख और सदमा लगा है। भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने दिल्ली में भाजपा प्रत्याशियों समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया

नरेंद्र मोदी भगवान का वरदान हैं - शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की तीन लोकसभा सीटों पर चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उत्तर-पूर्व दिल्ली लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी मनोज तिवारी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली से उम्मीदवार योगेन्द्र चंदोलिया और पश्चिमी दिल्ली लोकसभा से प्रत्याशी कमलजीत शेरावत के समर्थन में पूर्व सीएम ने विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान चौहान ने कहा कि, आम आदमी पार्टी केवल माँ-बहन बेटियों को अपमानित करने का काम करती है। केजरीवाल ने दिल्ली वालों को अच्छी सड़कें नहीं दी, पीने का पानी नहीं दिया, यमुना जी का शुध्दिकरण नहीं किया, केवल शराब की नदियां बहाई, शराब घोटाला किया, एक पर एक बोतल फ्री दी, दिल्ली को डुबाने का महापाप अरविंद केजरीवाल ने किया है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, आम आदमी पार्टी, अहंकारी आदमी पार्टी बन गई है। केजरीवाल अहंकार से भरे व्यक्ति हैं। केजरीवाल को ये जवाब तो देना चाहिए कि, अगर कोई महिला जो उन्हीं की पार्टी की राज्यसभा सदस्य हैं, आप अहंकार में उनसे ही बात करने से इनकार कर देते हैं। आपके लोग एक बेटी के साथ, एक बहन के साथ दुर्व्यवहार करते हैं ये आश्चर्यचकित कर देने वाली घटना है। दुर्व्यवहार भी केवल शब्दों में नहीं बल्कि पिटाई जैसी चीजें भी होती है। आप अपनी राज्यसभा सदस्य को न्याय देने के बजाय, दुर्व्यवहार करने वाले को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। महिला का अपमान भारतीय संस्कृति और संस्कारों में नहीं है। केजरीवाल याद रखना यह वो भारत है यहां एक द्रोपदी का अपमान हुआ था तो महाभारत हो गई थी और दुर्व्यवहार करने वालों का वंश सहित विनाश हो गया था। ना आप बचेंगे और ना ही आपकी पार्टी बचेगी। केजरीवाल ईमानदारी का चोला पहन के राजनीति में आए, और सबसे बड़े बेईमान हो गए। आप में धूर्तता की पराकाष्ठा है। इसलिए आपका भला नहीं होने वाला, यह अहंकार और बेईमानी आपको ले डूबेगी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि, केजरीवाल अब नौटंकीवाल बन गए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि, आम आदमी पार्टी की नौटंकी देखिए कि, झगड़ा उनके घर, परिवार का और प्रदर्शन करने हमारे यहां आ रहे हैं । चौहान ने आगे कहा कि हमने दुर्गा सप्तशती में पढ़ा है कि, रक्त बीज था, युद्ध में जहां-जहां उसका खून गिरता था उस खून की एक बूंद से और एक रक्त बीज राक्षस पैदा हो जाया करता था। वह रक्त बीज थे, लेकिन अरविंद केजरीवाल तो भ्रष्ट बीज हैं, जहां-जहां उनकी पार्टी जीतती है वहां-वहां भ्रष्टाचार का तंत्र ही खड़ा हो जाता है। इन्होंने भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। ईमानदारी की सौगंध खाने वाला सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी निकला। ये इंडी गठबंधन कभी भी देश और जनता का भला नहीं कर सकता है। पूर्व सीएम ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि, भारत तेरे टुकड़े-टुकड़े होंगे इंशा-अल्लाह, इंशा-अल्लाह के नारे लगाने वाले और आतंकवादियों का महिमामंडन करने वालों को जनता कभी भी स्वीकार नहीं करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, सोनिया गांधी अधेड़ उम्र के राहुल गांधी को रायबरेली की जनता को सौंप रही हैं। कांग्रेस आज वोट देने के लायक नहीं बची है, लेकिन मैडम सोनिया गांधी रायबरेली की जनता से कहती है कि, मैं अपना बेटा सौंप रही हूं। राहुल गांधी की उम्र 54 साल हैं लेकिन मैडन सोनिया ऐसे कह रही हैं जैसे 3-4 साल का दूधमुंहा बच्चा हो। इसका मतलब है कि, सोनिया जी को ही राहुल पर भरोसा नहीं है कि, वो रायबरेली सीट से जीत हासिल करेंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि, ये खुद अपनेआप से संभल नहीं सकते, इसलिए जनता इन्हें संभालें। चौहान ने कहा जो खुद नहीं संभल सकते वो देश क्या संभालेंगे। ये कांग्रेस कभी भी देश और जनता का भला नहीं कर सकती है।

अक्षय बम को कांग्रेसियों से खतरा इसलिए दी सुरक्षा

इन्दौर। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए धारा 307 के मामले में फरार अक्षय बम की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट निकलने के बाद उनकी सेशन कोर्ट में लगाई अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो चुकी है वहीं हाइकोर्ट में लगाई गई अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई है इसके चलते कांग्रेसी उनके पीछे पड़ गए हैं। इन्दौर शहर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्रसिंह यादव ने 55 कांग्रेसियों का एक उडनदस्ता बनाकर अक्षय को ढूंढ उसकी सूचना पुलिस को देने के लिए उनकी तैनाती भी कर दी है ।? वहीं कांग्रेसी लोकायुक्त पुलिस और कमिश्नर को अक्षय बम की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को हटा उसको तत्काल गिरफ्तार करने हेतु ज्ञापन देने वाले थे। लेकिन आचार संहिता के कड़े नियमों का हवाला देते हुए बताया गया कि आचार संहिता में धरना-प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। इसके चलते कांग्रेसी खजराना थाना पहुंचे और थाना प्रभारी सुजीत श्रीवास्तव को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों में राज जोगी, राजिक खान, अख्तर जावेद, संजय शुक्ला, सुधीर जैन, यशपाल गेहलोत, हिमांशु यादव, दानिश खान और सरदारमल जैन शामिल थे। कांग्रेसियों ने थाना प्रभारी के सामने आशंका जताई कि बम देश से फरार हो सकता है। वहीं जब ज्ञापन देने थाना प्रभारी के पास पहुंचे कांग्रेसियों ने थाना प्रभारी से सवाल पूछा कि अक्षय बम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट निकला हुआ है फिर भी पुलिस उसे सुरक्षा क्यों दे रही है? जिस पर थाना प्रभारी ने उन्हें कह दिया कि उनको कांग्रेसियों से खतरा है, इसलिए उन्हें पुलिस सुरक्षा दी गई है।

एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियो से मारपीट

भोपाल। राजधानी भोपाल में बीती रात बेखौफ बदमाशों ने हबीबगंज थाने के पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट कर दी। घटना में एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है। पुलिसकर्मी ने एक्सीडेंट की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर पूछातांछ की तब आरोपो ने उसके साथ पहले तो दुर्व्यवहार किया फिर गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर डाली। सूत्रो के अनुसार होशंगाबाद रोड स्थित बंसल वन के पास रात 2 बजे एक महिला मजिस्ट्रेट के वाहन को अन्य कार चालक युवक द्वारा टक्कर मारने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार देर रात करीब 2बजे रानी कमलापति स्टेशन के पास एक्सीडेंट की सूचना मिलने पर हबीबगंज थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। वहां एक पुलिसकर्मी के साथ कुछ युवकों ने दुर्व्यवहार करते हुए मारपीट की है। घायल पुलिसकर्मी का जेपी अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कार सवार सभी आरोपी नशे में थे, और एक्सीडेंट के बाद हंगामा कर रहे थे। इसके बाद सूचन मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वहां नशे में धुत युवकों ने पुलिसकर्मी से विवाद करते हुए उसके साथ मारपीट कर डाली। मारपीट के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए हैं। फरार आरोपियों की पहचान जुटाने के लिये पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी जानकारी जुटाने में लगी है।

मंत्रियों-विधायकों की सक्रियता की बनी कुंडली

रिपोर्ट कार्ड से तय होगी नेताओं की भावी भूमिका

भोपाल । मप्र भाजपा लोकसभा चुनाव में परफॉर्मेंस के आधार पर मंत्रियों, विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं की नए सिरे से ताजपोशी करेगी, तो कई नेताओं की छुट्टी भी होगी। इसके लिए भाजपा ने एक निजी एजेंसी से नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं का रिपोर्ट कार्ड तैयार करवाया है। इसमें चुनाव में निष्क्रिय रहना, अनमने मन से काम करना, भीतरघात और पूरी क्षमता के साथ चुनाव में उतरने के बिंदुओं के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। मप्र की 29 सीटों पर हुए लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने से पहले ही चुनाव को लेकर भाजपा में चुनावी समीक्षा का दौर शुरू हो चुका है। भाजपा नेताओं की गुप्त रिपोर्ट तैयार करने के लिए निजी एजेंसियों का सहारा लिया है, जिनसे भाजपा नेताओं की गुप्त रिपोर्ट तैयार कराई गई है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा संगठन दूसरे प्रदेशों से आए नेताओं से भी फीडबैक लिया है। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में ईमानदार और दगाबाज नेताओं की पूरी कुंडली तैयार की जा गई है। इसमें सभी 29 लोकसभा सीटों पर अलग रिपोर्ट तैयार की गई है। एजेंसी की रिपोर्ट केंद्रीय संगठन को मिल गई है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद इस पर मंथन किया जाएगा। जिन विधायकों की सक्रियता कम रही। उन पर संगठन लगाम कसेगा। संगठन मतदान प्रतिशत में आई कमी के कारणों का भी विश्लेषण करा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में 29 सीटों का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा की कई सीटों पर जीत तय है पर मतदान में आई कमी उसके नेताओं के जीत के अंतर को निश्चित रूप से प्रभावित करेगी। कुछ सीटों पर उसे खामियाजा भी उठाना पड़ सकता है। नेतृत्व की चिंता इसी बात को लेकर है। चुनाव परिणामों के बाद होने वाली संगठन की बैठक में इन नेताओं को उनकी सक्रियता से जुड़ी रिपोर्ट दिखाई जाएगी। जिन नेताओं के क्षेत्र में कम मतदान हुआ है, संगठन उसके कारणों का भी पता लगवा कर उसकी अलग से रिपोर्ट बना रहा है। भाजपा के भारी प्रयासों के बाद भी लोकसभा चुनावों में विधानसभा चुनाव जैसा मतदान नहीं हो पाया है।

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने 05 नंबर स्थित जवाहर बाल भवन तालाब को प्रदूषण मुक्त कर पर्यावरण संरक्षित करने के लिए भोपाल के प्रसिद्ध पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ.योगेन्द्र सक्सेना के साथ निरीक्षण किया और तालाब को प्रदूषण मुक्त रखने के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की और इस तालाब के पानी को बॉयो फिल्टर, लोटिंग वेटलैंड तकनीक के माध्यम से उपचारित कर तालाब का शुद्धिकरण किया जाएगा। पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लेकर इस तालाब को प्रदूषण मुक्त बनाने के बाद शहर के अन्य तालाबों को भी इसी तकनीक के आधार पर प्रदूषण मुक्त बनाया जाएगा और स्वच्छ भारत मिशन में इस नवाचार की महती भूमिका होगी।

युकां के पदाधिकारियों से वन टू वन बात कर संगठन की जमीनी हकीकत जानेंगे युकां अध्यक्ष

भोपाल। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। प्रदेश में युवा कांग्रेस संगठन को धरातल पर उतारने का अब पुनः प्रयास प्रारंभ कर दिया गया हैं। कावायद की शुरूआत प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा अगले दिनों 22-23 मई को भोपाल में लगातार दो दिन तक युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ एक-एक से मुलाकात कर होगी। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने अगले 22-23 मई 2024 को प्रदेश भर के पदाधिकारियों, जिला एवं विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्षों को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, भोपाल में आमंत्रित किया है। जिनसे वह प्रातः 11.00 बजे से कार्यालय के अपने कक्ष में बैठकर वन टू वन मुलाकात के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि वह युवा कांग्रेस संगठन को अपने पदाधिकारियों से संवाद स्थापित कर इसे और अधिक सुदृढ कैसे बनाया जाए, इस पर उनकी राय जानेंगे। आपने कहा कि हम चाहते हैं कि मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस, देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए, जो आक्रामक भी हो और रचनात्मक होने के साथ अपने सामाजिक सरोकार के माध्यम से आम जनमानस से भी सीधे जुडे। प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह यादव ने जानकारी दी है कि वह 22-23 मई 2024 को दो दिन लगातार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, भोपाल में प्रातः 11.00 से सायंकाल 06.00 बजे तक वन टू वन मुलाकात के बाद निष्कर्ष निकालेंगे। इसके लिए कार्यालय द्वारा प्रदेश भर के पदाधिकारियों और जिला-विधानसभा अध्यक्षों को सूचना प्रेषित कर दी गई है।

भितरघातियों-विभीषणों की बनाई जाएगी सूची

भोपाल । मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव सपत्र हो चुका हैं। इलेक्शन के बाद एमपी कांग्रेस एक्शन मोड में है। दरअसल, चुनावी फीडबैक को लेकर कांग्रेस ने एक बड़ी बैठक बुलाई है। जिसमें सभी लोकसभा प्रत्याशियों को बुलाया गया हैं। इसमें दोमत नहीं कि इस बार का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए किसी कठिन परीक्षा से कम साबित नहीं हुआ। हजारों की संख्या में कांग्रेस को छोड़ बीजेपी में शामिल हुए जनप्रतिनिधि तो तीन-तीन विधायकों का झटका कांग्रेस ने सहा। अब इलेक्शन के बाद कांग्रेस एक्शन मोड में आ गई है। दरअसल, चुनावी दौर में फूल छाप कांग्रेसियों की कई शिकायत पार्टी में दर्ज कराई गई। इन शिकायतों के साथ पार्टी के विभीषण को लेकर आगामी 20 मई को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बड़ी बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में कांग्रेस के सभी लोकसभा प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने बताया कि प्रत्याशियों से रिपोर्ट मांगी गई है। बैठक में चर्चा कर पार्टी के खिलाफ काम करने वालों को चिन्हित किया जाएगा। साथ ही कार्रवाई भी की जाएगी। कांग्रेस की बैठक को लेकर बीजेपी ने निशाना साधा हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता गुंजन चौकसे ने कहा कि अब कांग्रेस के हाथ से समय निकल चुका है। जीतू पटवारी अपनी कुर्सी बचाने के लिए ऐसी बैठक कर रहे हैं। नेता के साथ जनता ने भी कांग्रेस को नकारा। बीजेपी सिर्फ जनसेवा के साथ विकास की राजनीति करती है।

देश एवं समाज निर्माण में

शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है - कलेक्टर

नर्मदापुरम । हमारे समाज एवं देश के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी शिक्षक अपनी इस भूमिका को समझें। ईश्वर ने शिक्षकों को वह ज्ञान, अध्ययन दिया है। अपनी समुचित ज्ञान विद्यार्थियों को देकर एक शिक्षक अपने विद्यार्थी को कलेक्टर भी बना सकते हैं। आज यहां पर सभी शिक्षक एवं प्राचार्य संकल्प ले की वह इस वर्ष अपने स्कूलों का रिजल्ट शत प्रतिशत देंगे। इसके लिए वे विशेष रूप से मेहनत भी करेंगे। उक्त बात कलेक्टर सोनिया मीना ने प्राचार्यों एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में कहीं। स्थानीय शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय में शत प्रतिशत रिजल्ट देने वाले हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य एवं जिले में एवं प्रदेश सूची में प्रावीण आने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। सम्मान समारोह में कलेक्टर ने प्राचार्य एवं मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष का हायर सेकेंडरी स्कूलों का परीक्षा परिणाम संतोष जनक एवं हर्ष उत्पन्न करने वाला है। लेकिन हाई स्कूल का रिजल्ट चिंता जनक एवं निराशाजनक है। इसमें हमें चिंतन करने की आवश्यकता है कि रिजल्ट इतना खराब क्यों रहा। कलेक्टर ने अच्छा परिणाम देने वाले स्कूलों के प्राचार्य को शुभकामनाएं दी और कहां की कुछ शिक्षक लगातार अनुशासन निष्ठा एवं मेहनत से अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया है। इसी का परिणाम है कि हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम प्रदेश स्तरीय रहा है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक यदि मेहनत करते हैं तो बच्चे भी मेहनत करने के लिए प्रेरित होते हैं, और बच्चे जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों ने प्रावीण सूची में स्थान बनाकर न केवल समाज एवं जिले का अपितु अपने माता-पिता का नाम भी रोशन किया है। कलेक्टर ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों ने बेहतरीन रिजल्ट लाकर जिले का नाम प्रदेश स्तर तक रोशन किया है। इन सब में उनके शिक्षकों एवं प्राचार्य की मेहनत भी झलकती है । कलेक्टर ने कहा कि सभी शिक्षकों को यह पता होना चाहिए कि समाज एवं प्रशासन उनसे क्या अपेक्षा रखता है, उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों का परीक्षा परिणाम खराब रहा है, उन प्राचार्य को भी अब बैठकर इस बात पर विचार करना चाहिए कि तैयारी में कहां कमी रह गई थी। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक एक ऐसा पद है जिसका सभी जगह सम्मान किया जाता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोग शिक्षकों से मार्गदर्शन लेते हैं। कलेक्टर ने कहा कि जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हम अपनी नौकरी को देते हैं। हम जिस चीज की नौकरी कर रहे हैं उसमें अपना शत प्रतिशत दें। इसमे बेहतरीन प्रदर्शन करें। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मान मिलता है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षकों के अंदर जो ज्ञान का भंडार है वह उसे और भी ज्यादा विकसित करें और उस ज्ञान का प्रसार अपने विद्यार्थियों में करें। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक जितना बेहतरीन जानकारी से लैस होगा उतना ही उसके विद्यार्थी भी ज्ञान से परिपूर्ण रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि यद्यपि करवाई, दंड, निरीक्षण करने से प्रभाव तो पड़ता है लेकिन सबसे बड़ा भाव यह होना चाहिए कि हम जो कार्य कर रहे हैं उसे हम कितना विस्तारित कर रहे हैं।

छुटभैये पकड़ती पुलिस अवैध शराब ठेकेदारों तक नहीं पहुंचती

महानगर के थानों में लगातार अवैध देशी शराब को पकड़ने की मुहिम में पकड़ रहे छुटभैये शराब विक्रेता

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

अवैध शराब को पकड़ने की मुहिम को पुलिस के थाने पुरजोर तरीके से चला रहे हैं और खबरची उनको छुटभैये स्तर पर शराब बेचने वालों की सूचना तो देते हैं, लेकिन इस अवैध शराब की कमान संभाल रहे अवैध शराब ठेकेदारों के ऊपर हाथ नहीं डाल पा रही है, जिसके चलते महानगर में अवैध शराब का कारोबार थम नहीं रहा है।

महानगर के मुख्य मार्गो से लेकर गली-मोहल्ले में अवैध शराब बेचने का कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा है, जिसका कारण इस शराब को दुकानो से कम दाम पर बेचना है और शराब के शौकीन शराब के दाम कम देखकर खरीद रहे है, जबकि यह शराब भी मध्य प्रदेश में दुकानों पर बिकने वाली शराब होती है, जिसमें सबसे ज्यादा देशी शराब की बिक्री की स्थिति है, जिसकी स्थिति का आंकलन रविवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा पकड़े गए तस्करों के विवरण से पता चलता है।

क्वार्टर पकड़े बोतल नहीं

पुलिस ने रविवार को महानगर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 992 क्वार्टर देशी शराब के पकड़े हैं, जिसमें एक भी बोतल नहीं पकड़ी गई है, जिसमें दो थाना क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में शराब पकड़ी गई।

शराब ठेकेदारों का माल

इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार शराब ठेकेदार दूसरे इलाकों में अपना माल खपाने के लिए बेच देते हैं, जिसका कारण आबकारी विभाग से हर माह माल उठाना है और हर ठेकेदार ही दूसरे इलाके में माल भेजकर दूसरे ठेकेदार की दुकान क्षेत्र में बिकवाता है।

अवैध शराब का पता बैच नंबर से पता चल जाता है और इसको तफ्शीश में पता चलता है।
धर्मवीर सिंह पुलिस अधीक्षक, ग्वालियर

पुलिस हमसे बैच नंबर की जानकारी मांगे तो हम उनको देंगे और अवैध शराब बिकवाने का खुलासा हो जाएगा, यह जांच का विषय है।
राकेश कुर्मी सहायक आबकारी आयुक्त, ग्वालियर

बैच नंबर से पता चल सकता है

इस मामले में अवैध शराब के मामले में शराब क्वार्टर पर लिखे बैच नंबर के मिलान से अवैध शराब ठेकेदार का खुलासा हो सकता है, क्योंकि आबकारी विभाग शराब ठेकेदारों को शराब बैच नंबर लिखकर जारी करती है, लेकिन पुलिस इस कार्रवाई को शायद करती हो।

बाहर से या स्थानीय शराब

अवैध शराब के मामले में मिली जानकारी के अनुसार यह शराब बाहरी न होकर स्थानीय दुकानों से मिलने वाली है, जिसको कम दर पर बिकवाने के लिए ऐसे लोगों को दी जाती है।

एलीवेटेड पुल के निर्माण में ट्रिपल आईटीएम के पीछे राधा बिहार कॉलोनी का मामला

नाला और सरकारी जगह छोड़कर रहवास उजाड़ने को तैयार ठेकेदार और अधिकारी

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

यातायात को सुगम बनाने के लिए बनाया जा रहा एलीवेटेड पुल आईटीएम के पीछे बनी राधा बिहार कॉलोनीवासियों के लिए गले की हड्डी बन गया है, जिसका कारण ठेकेदार और अधिकारी नाला और सरकारी जगह को छोड़कर बने मकानों और प्लॉटों पर पुल को निकालने की तैयारी कर रहे हैं।

महानगर में एलीवेटेड पुल को स्वर्ण रेखा नाले के बीच से निकालने की तैयारी की गई थी और महानगर में यह नाले के बीच से ही निकाला गया है, लेकिन राधा बिहार कॉलोनी के पास इस पुल को लोगों के बने मकानों और प्लॉटों की तरफ ले जाया जा रहा है, जिसका स्थानीय निवासी विरोध कर रहे हैं और वह हर स्तर पर अपनी गुहार लगा रहे हैं।

उर्जा मंत्री ने किया था निरीक्षण

इस मामले में निवासियों ने बताया कि इस बात को लेकर जब वह उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह के पास गए थे, तो उर्जा मंत्री वहां देखने के लिए आए थे और उसके बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

मर जाएंगे

राधा बिहार कॉलानी निवासरत लोगों ने कहा कि अगर नहीं मानें तो हम परिवार सहित मर जाएंगे, मगर अपने मकानों को जीते जी नहीं तोड़ने देंगे।

नाला और सरकारी जगह मौजूद

राधा बिहार कॉलोनी के पास नाला और सरकारी जगह मौजूद है और वहां से दो पुल एक साथ निकाले जा सकते है, लेकिन फिर भी लोगों को बेघर करने की स्थिति बनी हुई है।

सिंधिया ने कहा था नाले से जाएगा

इस मामले में स्थानीय निवासी केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से नई दिल्ली स्थित उनके आवास जाकर मिल चुके थे, जहां सिंधिया ने उनको आश्वासन दिया था कि एलीवेटेड पुल नाले से जाएगा।

अंधा मोड के नाम पर बनी स्थिति

इस मामले में लोगों ने बताया कि अधिकारी अंधा मोड बताकर यह स्थिति बनाए हुए हैं, जबकि कंपनी के कर्मचारियों से पूछने पर उन्होंने बताया कि नाले से भी सही तरह से पुल निकल सकता है।

इनका कहना है

पुल की डिजाइन जैसी होगी, वैसा ही उसको बनाया जाएगा, यह एकदम से निर्णय नहीं होता है।
रुचिका चौहान कलेक्टर, ग्वालियर

4 पिलर बचाने हमको कर रहे परेशान

इस मामले में स्थानीय निवासी हरदयाल वर्मा और रघुवीर चंदेरिया ने बताया कि यह मामला 4 पिलर को बचाने का है, जिसके लिए उनकी तरफ पुल के पिलर बनाने का काम किया जा रहा है।

तीन डिजाइन थे इसके

स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस पुल के तीन डिजाइन तैयार किए गए थे, जिसमें एक नाले के बीच से, दूसरा सरकारी जगह से बनाया गया था और तीसरा इस तरफ से।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के राजस्व रिकॉर्ड रूम में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

ग्वालियर कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिफ्ट हुए राजस्व रिकॉर्ड रूम में सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जायेंगे। इसके साथ ही रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने के लिये अन्य जो आवश्यकतायें होंगी, उनकी भी पूर्ति की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व प्रकरणों, न्यायालयीन प्रकरणों, विभिन्न बैंकों की बकाया वसूली के संबंध में भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, एडीएम टी एन सिंह, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा है कि राजस्व रिकॉर्ड सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इसको व्यवस्थित रखने के लिये गोरखी कार्यालय से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थापित किए गए रिकॉर्ड रूम की निगरानी के लिये सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जाएँ। रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से रहे, इसके लिये अलमारियों आदि की जो आवश्यकता है, उसको भी शीघ्र पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में राजस्व संबंधी चल रहे प्रकरणों में शासन का पक्ष समय से और मजबूती के साथ रखा जाए इसके निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभारी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर और व्यवस्थित जवाब न्यायालय में प्रस्तुत हो, इसके लिये राजस्व अधिकारी स्वयं भी प्रकरणों का अध्ययन करें और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में शासन का पक्ष न्यायालय में रखें।

डॉ . आर. के. एस धाकड़ को डीन पर बधाई दी

म प्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ग्वालियर के जिलाध्यक्ष ने बताया है कि डॉ. आर के एस धाकड़ अधीक्षक जे ए एच ग्वालियर को २११सक 1य गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर संभाग का अधिष्ठाता बनाये जाने पर मिष्ठान वितरण कर पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में कमल किशोर पाठक, संरक्षक राकेश शर्मा, आलोक मिश्रा, चेतन यादव, अरविन्द सोलंकी, सन्तोष यादव, संतोष उपमन्यु, अनिल उपाध्याय आदि ने बधाई दी है।

वृद्धजनों के लिए लगा स्वास्थ्य शिविर

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल में सुबह 9 बजे हुआ शुरु

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला अस्पताल मुरार में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए शिविर का आयोजन आज किया गया है, इसमें डॉ. सुषमा भार्गव, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. पल्लवी शर्मा, डॉ. नीतेश मुदगल, डॉ. विजेन्द्र धाकड़, डॉ. धीरज ने मरीजों का परीक्षण कर उनका उपचार किया, इस दौरान नर्सिंग ऑफीसर विजय सिंह, कल्पना सिंह, रवि वर्मा, विनोद कुशवाह, सतेन्द्र सिंह , वार्ड वाय मनमोहन श्रीवास्तव और आनंद शर्मा ने मरीजों के उपचार में सहयोग किया।

अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़कर 31 मई हुई

ग्वालियर। राज्य शासन ने केवल उपार्जन से संबंधित कृषकों के लिए खरीफ 2023 सीजन में वितरित किए गए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ाकर 31 मई 2024 नियत की है। पहले यह तिथि 30 अप्रैल निर्धारित थी। सरकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना निरन्तरता के संबंध में भी निर्देश जारी किये गये हैं। योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि (ड्यू डेट) 28 मार्च, 2024 को बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2024 करने के आदेश सहकारिता विभाग ने प्रसारित किये हैं।

10 वीं और 12 वीं की परीक्षा आज से शुरु

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

रुक जाना नहीं योजना के तहत राज्य ओपन बोर्ड ने कराई परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में फेल विद्यार्थियों की रूक जाना नहीं योजना के तहत आज से परीक्षा शुरू हो गई है, राज्य ओपन बोर्ड की ओर से इस परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

परंपरागत 10वीं व 12वीं की परीक्षा, पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा, आ अब लौट चलें सहित दो अन्य परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इसके लिए प्रदेश भर में 419 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रदेश भर से दो लाख 55 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। इसमें रूक जाना नहीं के दो लाख 42 हजार, आ लौट चलें में 11 हजार, ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं व 12वीं की परीक्षा में नौ हजार, आ अब लौट चलें में 11 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पाली में आयोजित होंगी। 12वीं की परीक्षा सुबह आठ से 11 बजे तक और 10वीं की दोपहर दो से शाम पांच बजे तक आयोजित होंगी।

ग्वालियर में भी शुरु

राज्य ओपन बोर्ड के तहत शुरु हुई यह परीक्षा ग्वालियर में भी आयोजित हुई हो रही है, जिसके लिए आज सुबह परीक्षा केन्द्रों पर छात्र-छात्राएं पहुंचें और सुबह कक्षा 12 वीं की परीक्षा दी।

7 जून तक परीक्षाएं चलेंगी

ओपन बोर्ड की परंपरागत 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 21 मई से छह जून तक और 12वीं परीक्षाएं 20 मई से शुरू होकर सात जून तक आयोजित होंगी। वहीं रुक जाना नहीं / आ अब लौट चलें के 10वीं की परीक्षाएं 21 मई से 31 मई तक और 12वीं की परीक्षाएं 20 मई से सात जून तक होंगी।

बिलैया, मोर, नाहर की समस्त टीम ने ली शपथ

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

गहोई वैश्य पंचायत (रजि.) दौलतगंज का शपथ ग्रहण समारोह मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंच पर मुख्य अतिथि मंत्री नारायण सिंह कुशवाह तथा विशिष्ट अतिथि नगर पालिका गुना की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, ग्रेटर के अध्यक्ष दिलीप तपा,महामंत्री घनश्याम कंथरिया, वरिष्ठ पर्यवेक्षक एन के सावला,निर्वाचन अधिकारी अखिलेश सोनी, नव निर्वाचित अध्यक्ष अरुण बिलैया, नव निर्वाचित मंत्री राकेश मोर पर्यवेक्षक रमेश कनकने, हरिशंकर हूंका और कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश सेठ उपस्थित थे। शुभारंभ मुख्य अतिथि ने राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद पंचायत की मुख्य बॉडी की टीम ने शपथ ली, कार्यक्रम में दौलतगंज पंचायत ग्वालियर के चुनाव में चुनाव के मीडिया प्रभारी रूपेश खंताल÷तीर÷ का सम्मान किया गया,कार्यक्रम का संचालन राजू नाहर ने, आभार व्यक्त राकेश मोर ने किया,कार्यक्रम में नव निर्वाचित अध्यक्ष अरुण बिलैया, उपाध्यक्ष सुखनंदन नौगरैया, महामंत्री राकेश मोर, कोषाध्यक्ष भवानी शंकर नाहर (राजू), संयुक्त मंत्री शुभम नौगरैया तथा कार्यकारिणी सदस्य हरी कृष्ण सुहाने, ओमप्रकाश सेठ, पवन नगरिया, स्पर्श छिरौल्या राजीव बरैया, विजय विस्वारी, विट्ठल दास नाहर ने शपथ ली। इससे पहले महिला मंडल की टीम को सविता अरविंद गुप्ता ने शपथ दिलाई जिसमें नव निर्वाचित अध्यक्ष मंजू बरसैया, मंत्री कविता गेंडा, उपाध्यक्ष साधना नगरिया, कोषाध्यक्ष पूनम नाहर, उपमंत्री संध्या बरैया, सांस्कृतिक मंत्री मंदाकिनी नौगरैया, प्रचार मंत्री अनुराधा नौगरैया तथा कार्यकारिणी सदस्य सीमा नौगरैया, ज्योत्सना पिपरसैनिया, नेहा नाहर, सुरभी सेठ, ज्योती नाहर ने शपथ ली।प्रोग्राम में गहोई वैश्य समाज की कई नामी हस्तियां राधेश्याम कुचिया, सुरेश कस्तवार दादा, राजेन्द्र सेठ डेनिशन, सुधीर पहाड़िया,राजू नगरिया राजश्री,पुष्पेंद्र राजा गुप्ता, अनिल नीखरा, बबलू बेडर बेस्ट नमकीन, गीता नगरिया,राकेश खर्द, भारती खर्द, राखी गेडा आदि सामाजिक बंधु जन उपस्थित हुए।

जौहरी के नेतृत्व में विकलांगजनों ने दी माधवी राजे सिंधिया को श्रद्धांजलि

भारतमत रिपोर्टर, ग्वालियर

शहर जिला कांग्रेस विकलांग कल्याण प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं वरिष्ठ समाजसेवी ओर राष्ट्रीय सशक्त आत्मनिर्भर ट्रस्ट नई दिल्ली के राष्ट्रीय सलाहकार आरटीआई ऐक्टिविस्ट अनूप जौहरी एवं प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जीतू यादव के नेतृत्व में प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ऐवं कार्यकर्ताओं ने रानी महल पहुंच कर कांग्रेस पार्टी से विभिन्न मंत्रालयों में केन्द्रीय मंत्री रहे के. माधवराव सिंधिया की धर्म पत्नी स्व. माधवी राजे सिंधिया को भाव भीनी श्रद्धांजलि देते जाने के साथ ही मृत आत्मा को शांति प्रदान किए जाने एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी मे गहन आघात को सहन करने की एवं धैर्य और शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। विकलांग जनों को देख कर ज्योतिरादित्य सिंधिया भावुक हो गए, और सभी विकलांग जनों से की आत्मीय मुलाकात की।

श्रद्धांजलि देने वालों में उपाध्यक्ष परमार सिंह कुशवाह, सचिव मनोज भील वार, यहां मंत्री राजेन्द्र मिश्रा, रामदास रजक, बंटी श्रीवास, वासुदेव किरार, धर्मेन्द्र कुशवाह, धर्मेन्द्र बाथम, राजेन्द्र माहौर, राजीव दीक्षित, इरफान खान, घनश्याम माहौर, गोविंद तोमर, ज्ञान सिंह कुशवाह आदि ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।

मोदी की हिन्दू-मुस्लिम से तौबा का यथार्थ

भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान एक ऐसा मीडिया विकसित हुआ है जिसका प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से घरोबा जैसा है। यह कोई नवनिर्मित मीडिया नहीं है वरन विद्यमान मीडिया का ही बड़ा हिस्सा है जिसने अपने आप को मोदीमय कर लिया है। मोदी का वह समर्थक है सो वह भारतीय जनता पार्टी के हर काम-काज की तारीफ करता है। मोदी के मित्र उसके भी मित्र हैं और मोदी के दुश्मन उसके भी दुश्मन बन जाते हैं। मोदी के कहे को तर्कसंगत साबित करने से लेकर उनके हर फैसले को %मास्टरस्ट्रोक% बतलाने वाला यह मीडिया कहने को स्वतंत्र है पर वह चलता है मोदी एवं उनकी पार्टी की विचारधारा के अनुरूप। देश के कुछ बड़े कारोबारी घरानों की मिल्कियत वाले इन मीडिया घरानों ने, जिनमें प्रकाशन वाला मीडिया है तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी- अपने उच्च शिक्षित व मोटी तनख्वाह वाले पत्रकारों को पिछले दशक भर से एक ही काम में लगा रखा है, वह है भाजपा की सरकार को बनाये रखना।

इनमें से कुछ पत्रकार बेहद मुंहलगे हैं जो भाजपा प्रवक्ताओं जैसे काम करते हैं। मोदी को जो कहना होता है, वे उनमें से कुछ को अपने साथ लेते हैं और कोई नयी बात करते हैं। इन बातों को प्रकाशित सामग्री के रूप में या स्टूडियो के जरिये लोगों तक पहुंचाया जाता है। इन्हीं पत्रकारों के जरिये लोगों को कभी पता चलता है कि मोदी ने कोई शिक्षा हासिल नहीं की है, तो वे ही जनता तक यह बात पहुंचाते हैं कि मोदी ने 35 साल भिक्षावृत्ति की है। उन्हीं के जरिये देश जान सका है कि मोदी जी ने कई वर्षों तक हिमालय में तपस्या की है। कुछ मोदी से सुनी तो कुछ अपनी कल्पना शक्ति के बल पर यह मीडिया दो हजार के नोट में चिप लगाता है तो गोबर में हीरा खोजता फिरता है। वैसे तो मोदी पत्रकारों से बहुत कम बात करते हैं। उनकी एक अदद प्रेस कांफ्रेंस के लिये पूरा देश 10 बरस से तरस रहा है। %मन की बात% या जनता से बहुत दूर व सुरक्षित ऊंचाई पर बने मंचों से एकालाप के जरिये अपनी बात कहने के आदी हैं पीएम। वाराणसी से लोकसभा के लिये तीसरी बार अपना नामांकन भरने के बाद पतित पावनी गंगा मैया के तटों पर विचरण करते हुए मोदी ने यकायक सेक्यूलर चोला ओढ़ लिया। उन्होंने मीडिया वाली से कहा- %जिस दिन मैं हिन्दू-मुस्लिम करने लगूंगा उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रह जाऊंगा।% उनका यह बयान सभी लोगों, खासकर उनके अपने पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों के लिये आश्चर्य और सदमे की तरह रहा होगा, लेकिन उक्त पत्रकार ने उनके इस बयान को बिग ब्रेकिंग के रूप में प्रसारित कर नाम तो कमा लिया, लेकिन पत्रकार-धर्म को पूरी तरह से गंगा में विसर्जित करते हुए। प्रेस कांफ्रेंस में तो किसी भी पत्रकार को ज्यादा सवाल करने का अवसर अक्सर नहीं मिलता पर ऐसे एक्सक्लूज़िव साक्षात्कारों में न सवालों की सीमा होती है, न समय की बंदिश। फिर उपरोक्त महिला पत्रकार ने क्यों मोदी से यह नहीं कहा कि, %मोदी जी, हाल ही में आपने तो कांग्रेस के न्यायपत्र पर %मुसलिम लीग की छाया% बतलाया था और आपने लोगों से यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो आपके मंगलसूत्र छीनकर %कई बच्चों वालों% को दे देगी,% या यह भी नहीं पूछा कि, %मोदी जी, कांग्रेस का तो देश में पिछले 55 वर्षों तक राज रहा। उसने ऐसा तो कभी भी नहीं किया।% पत्रकार को मोदी जी के स्मरण में यह भी लाना था कि आप खुद कहते रहे हैं कि %मैं कपड़े देखकर जान जाता हूं।% मोदी को वह सारा कुछ ध्यान दिलाना था कि कैसे 10 साल उन्होंने हिन्दू-मुसलिम और भारत-पाकिस्तान करते हुए गुजार दिये।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण फैसला

न्यायपालिका निश्चित रूप से उसी स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभाव का उत्पाद है जो अपने निर्णय लिखने के समय इन पोषित मूल्यों को निर्देशित किए बिना नहीं रह सकती है। लोकतंत्र की रक्षा के बारे में यदि कभी हमारे न्यायाधीश क्षण भर के लिए विचलित होते हैं तो भयभीत होने की जरूरत नहीं है। न्यायपालिका को उसकी आवाज वापस दिलाने के लिए भारतीय नागरिक के पास %मतदान% नाम की सबसे अच्छी दवा है।

क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत मिलने से चुनावी फायदा होगा? क्या गलत समय पर अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कर प्रधानमंत्री मोदी ने गलत कदम उठाया? क्या सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को अस्थायी रूप से रिहा करके सही काम किया? पहले दो सवालों के जवाब 4 जून, 2024 को मिल जाएंगे जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आएंगे। इसलिए तीसरा सवाल सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का मुद्दा है जिसमें अरविंद केजरीवाल को 1 जून तक अपनी पार्टी और चुनावी सहयोगियों के लिए प्रचार करने की सीमित छूट दी गई है। यह एक ऐसा फैसला जिसकी सराहना की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला देश के लिए, कानून के राज के लिए और सबसे बढ़कर लोकतंत्र के लिए गर्व का क्षण है। आखिर क्यों? इस फैसले से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दो ऐतिहासिक निर्णयों में हमारे सबसे मौलिक मूल्य-लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए दृढ़ता से बात की थी। पहला फैसला राष्टीय स्तर पर परिणामकारक नहीं हो सकता है। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने अवैध रूप से चुने गए चंडीगढ़ के भाजपा महापौर को हटा दिया और उस प्रक्रिया को %लोकतंत्र की हत्या% के रूप में वर्णित किया जिसके द्वारा महापौर को चुना गया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के ये शब्द उन सभी के दिलो-दिमाग में गूंजने चाहिए जो स्वतंत्रता को महत्व देते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण फैसला सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण पीठ का था जिसमें इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित किया गया था। इस फैसले के माध्यम से एक बार फिर हमारी राजनीति के लोकतांत्रिक सिद्धांतों, भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार की महत्ता बताई गई है। जिससे उन्हें देश के शासन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने का अधिकार मिलता है। सवाल यह है कि अरविंद केजरीवाल को दी गई अस्थायी जमानत के फैसले को पहले के दो फैसलों के साथ क्यों रखा जाना चाहिए और इस फैसले का पहले के दो महत्वपूर्ण फैसलों के समान क्या महत्व है? ऐसा केवल इसलिए है क्योंकि रिहाई आदेश की नींव एक ही है- एक सिद्धांत जो हमारी स्वतंत्रता के लिए अपरिहार्य है। वह है %निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव।इस मौके पर जमानत के अंतर्निहित न्यायशास्त्र को समझना महत्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक अपराध सिद्धांत रूप में समाज के खिलाफ अपराध है। जिस समुदाय में अपराध किया जाता है उसे ऐसी प्रवृत्ति वाले व्यक्ति से बचाया जाना चाहिए, लेकिन किसी अपराध के संदेह में किसी को गिरफ्तार करना यह साबित करने के समान नहीं है कि अपराध किया गया है। हालांकि अपराध गंभीर होने और उसमें संलिप्तता के मजबूत संदेह के बावजूद संदिग्ध आरोपी को मुकदमे में दोषी साबित होने तक निर्दोष माना जाता है। कानून उसकी बेगुनाही की धारणा को ध्यान में रखते हुए उसे जमानत पर रिहा करने की अनुमति देता है ताकि वह प्रभावी ढंग से अपना बचाव करने के लिए स्वतंत्र हो। अपराध की प्रकृति के बावजूद जमानत से इनकार करना आरोपी को बिना मुकदमे के दंडित करना है। इसी प्रकार यह आवश्यक रूप से विभिन्न परिस्थितियों पर निर्भर होना चाहिए कि क्या एक आरोपी जमानत का हकदार है जिनके आधार पर न्यायाधीश अपने विवेक से जमानत देने या अस्वीकार करने का मूल्यांकन करता है।यहां तक कि हत्या के उन संदिग्ध मामलों में भी जमानत दी जा सकती है जहां न्यायाधीश को लगता है कि अभियोजन पक्ष द्वारा पेश की गई सामग्री या सबूतों की समग्रता विरोधाभासों से भरी हुई है और इस प्रकार आरोपी को अपने मुकदमे में संभावित बचाव प्रदान करता है। जमानत देने या अस्वीकार करने के बारे में न्यायाधीश के विवेक के प्रयोग को नियंत्रित करने के बारे में कोई निर्धारित नियम या फॉर्मूला नहीं है। अगर इस व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखा जाता है तो जब उनका मामला मुकदमे के लिए तैयार ही था तो अरविंद केजरीवाल को पहले ही जमानत मिलनी चाहिए थी और यह केवल एक अंतरिम उपाय के रूप में नहीं होना चाहिए। मामले की %जांचज् भले ही दो साल से चल रही हो किंतु केजरीवाल के खिलाफ आरोपों को अभी तक स्पष्ट रूप नहीं दिया गया है। एक संभावित इकबाली गवाह की %स्वीकारोक्ति% पर केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है जिसकी ईमानदारी पर संदेह है और जिसने पहले भी %स्वीकारोक्ति% के बारे में विरोधाभासी बयान दिए थे।

फिर, अरविंद केजरीवाल के भागने का खतरा भी नहीं है। और अगर केजरीवाल की गतिविधियों पर सतर्कता से निगरानी की जाती है तो वे संभवत- प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पहले से ही एकत्र किए गए सबूतों के साथ छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित नहीं कर सकेंगे। ये सभी परिस्थितियां अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु रिहा करने के लिए एक न्यायाधीश को मजबूर करती हैं।लेकिन सुप्रीम कोर्ट इन छोटी-छोटी बारीकियों में नहीं गया। उसने केजरीवाल को लोकतंत्र की ठोस नींव पर उनकी सही आजादी दी जिसका उद्देश्य निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करना है। अरविंद केजरीवाल एक राष्टीय दल %आम आदमी पार्टी% के प्रमुख हैं। पार्टी को संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त है और वह दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ पार्टी है। उनकी अनुपस्थिति चुनाव में भाजपा को निर्विवाद, अनुचित लाभ देगी तथा मतदाताओं को सत्तारूढ़ दल के खिलाफ प्रचार किए बिना वोट देने के वैकल्पिक- वांछनीय उम्मीदवार के एक सूचित विकल्प से वंचित कर देगी।

यादगार होगी स्मृति ईरानी की जीत!

शिव शरण त्रिपाठी

कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही अपनी रणनीति से संतुष्ट हो। भले ही गांधी परिवार अपनी साख बचाने की कोई भी दलील दे पर सच्चाई यही है कि राहुल गांधी ने अमेठी सीट से चुनाव लड़ना कतई उचित नहीं समझा।

कभी कांग्रेस की खानदानी सीट मानी जाने वाली अमेठी से 2019 में पहले भाजपा की स्मृति ईरानी से चुनाव हारना और अब 2024 में राहुल गांधी का पलायन करना निस्संदेह यह बताने को काफी है कि राहुल गांधी स्मृति ईरानी से टक्कर लेने का साहस नहीं दिखा सके। अलवत्त्ता कांग्रेस ने राहुल गांधी की बजाय अर्से तक गांधी परिवार के अमेठी, रायबरेली में चुनाव प्रबन्धक एवं वफादार सिपहसालार रहे किशोरी लाल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारकर प्रत्यक्ष- यह जताने की कोशिश की हैं कि गांधी परिवार अमेठी से अपने पुराने रिश्ते को बरकरार रखना चाहता है।

कांग्रेस के रणनीतिकारों को उम्मीद थी कि चूंकि राहुल गांधी पड़ोस की गांधी परिवार की खानदानी सीट रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं सो किशोरी लाल शर्मा को इसका लाभ मिलना तय है। यही नहीं चूंकि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन के तहत रायबरेली व अमेठी सीट कांग्रेस के खाते में गई अतएवं दोनो ही सीटों पर गठबंधन की प्रमुख भागीदार सपा के वोटों का लाभ मिलना तय है।

कांग्रेस के रणनीतिकार भले ही अपनी रणनीति से संतुष्ट हो। भले ही गांधी परिवार अपनी साख बचाने की कोई भी दलील दे पर सच्चाई यही है कि राहुल गांधी ने अमेठी सीट से चुनाव लड़ना कतई उचित नहीं समझा। उन्हें परिवार की 2019 में अपनी हारी खानदानी सीट अमेठी से मम्मी श्रीमती सोनिया गांधी की जीती रायबरेली कहीं ज्यादा सुरक्षित लगी।

जहां तक अमेठी सीट पर स्मृति ईरानी के मुकाबले में किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारने की बात है तो उनके उतारने से अमेठी में न तो कोई उत्साह की लहर है न तो उन्हे अमेठी हाथोहाथ लेने को तैयार है। समर्पित कांग्रेसजनों और पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के अलावा न तो कोई बड़ा कांग्रेसी नेता उनके पक्ष में दिखाई दे रहा है और न ही उन्हे गांधी परिवार से कोई विशेष तरजीह दी जा रही है। यदि ऐसा न होता तो श्री शर्मा के नामांकन के मौके पर प्रियंका गांधी अवश्य मौजूद रहती। जबकि वह पड़ोस में यानी रायबरेली में अपने भाई राहुल के नामांकन के अवसर पर जोश-ओ-खरोश के साथ उपस्थित थी। यह मान लिया जाये कि भाई के नाते प्रियंका की प्राथमिकता राहुल गांधी थे तो भी प्रियका के रॉबर्ट वाड्रा तो उपस्थित रह ही सकते थे।

जहां तक इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल सपा व अन्य के कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन मिलने का सवाल है, हालात बता रहे हैं कि सपा समर्थक खासकर यादव समाज के लोगों का रूझान कांग्रेस प्रत्याशी की तुलना में भाजपा प्रत्याशी की ओर कहीं ज्यादा है। जिस तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, स्मृति ईरानी के जुलूस से लेकर नामांकन पत्र दाखिल करने के मौके पर उपस्थित रहे और उन्होने पड़ोस के सुल्तानपुर में अपनी सुसराल बताकर अपने को यहां का दामाद बताकर अपना हक जताया। उससे भी यादव विरादरी का अधिकाधिक वोट श्रीमती ईरानी को मिलना ही मिलना है।

यहां यह भी कम गौरतलब नहीं है कि अमेठी के जिन दो सीटों पर सपा विधायकों का कब्जा है उनमें से एक गौरीगंज के सपा विधायक सपा से लगभग प्रत्यक्ष भी न भी सही अप्रत्यक्ष रूप से नाता तोड़ चुके हैं। उनका पूरा परिवार हाल ही में भाजपा में शामिल हो चुका है। ज्ञात रहे सपा विधायक राकेश प्रताप सिंह गौरीगंज सीट से लगातार तीन बार चुनाव जीतकर एक रिकार्ड बना चुके हैं। उनका इस सीट के मतदाताओं पर काफी अच्छा प्रभाव माना जाता है। ऐसे में उनके समर्थकों का अधिकाधिक वोट कांग्रेस के श्री शर्मा की बजाय भाजपा की श्रीमती ईरानी को मिलना तय माना जा रहा है।

आस्था

शुक्र का राशि परिवर्तन

भारत का चाबहार बंदरगाह बनाम चीन का ग्वादर बंदरगाह

NA20200930

वैश्विक स्तरपर चाबहार व ग्वादर बंदरगाहों ने दुनियां का ध्यान आकर्षित किया

भारत का ईरान में चाबहार बंदरगाह व चीन का पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह में केवल 72 किलोमीटर की दूरी- रणनीतिक भू-राजनीतिक लॉन्च पैड संदर्भ- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया- वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ दिनों से पूरी दुनियां केसोशल प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में चाबहार व ग्वादर नाम की चर्चा खूब देखने व सुनने को मिल रही है,शुरू में तो मैं स्वयं भी चाबहार और ग्वादर का नाम बहुत दिनों से सुन रहा था परंतु दोनों क्या है उसपर ध्यान नहीं दिया। फिर दिनांक 13 मई 2024 को जब अमेरिकी विदेश विभाग की एक सख्त चेतावनी सुनी जिसमें इस बातपर जोर दिया गया था कि ईरान के साथ व्यापार करने वाली संस्थाओं जिसमें चाबहार बंदरगाह से जुड़े लोग भी शामिल है,को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम का संभावित सामना करना पड़ सकताहै, तो मेरा सटीक ध्यान इस मुद्दे पर गया कि आखिर क्यों बार बार चाबहार और ग्वादर नाम सुनने को मिल रहे हैं, इसपर मैंने फिर आर्टिकल बनाने का निर्णय लिया और मीडिया, रेडियो, टीवी चैनलों पर रिसर्च शुरू किया तो पिछले तीन-चार दिनों में रिसर्च कर पूरी जानकारी निकाली और इसपर आर्टिकल तैयार किया। असल में चाबहार भारत का ईरान में एक बंदरगाह है, व ग्वादर चीन का पाकिस्तान में एक बंदरगाह है व दोनों बंदरगाहों के बीच मात्र 72 किलोमीटर की दूरी है व इससे दुनियां के कई देशों का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हित जुड़े हुएहैं,तो यह एक रणनीतिक भूराजनीतिक लॉन्च पैड भी संदर्भित किया गया है,जिसे भारत अमेरिका चीन पाकिस्तान ईरान अफगानिस्तान सहित कई देशों की चिंताएं व बंदरगाहों की समानताओंसे प्रभावित कई दूरगामी रणनीतियां शामिल है। चुंकि अभी वैश्विक स्तरपर चाबहार व ग्वादर बंदरगाहों ने दुनियां का ध्यान आकर्षित किया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत के ईरान में चाबहार बंदरगाह वह चीन के पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह में केवल 72 किलोमीटर की दूरी है,रणनीतिक भू राजनीतिक लॉन्च पैड संदर्भित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम भारत का चाबहार बंदरगाह बनाम चीन का ग्वादर बंदरगाह की करें तो, पाकिस्तान में चीन के ग्वादर बंदरगाह और ईरान में भारत के चाबहार,जो केवल 72किलोमीटर की दूरी पर हैं, को क्रमशः चीन और भारत के लिए रणनीतिक भू-राजनीतिक लॉन्च पैड के रूप में संदर्भित किया गया है।दक्षिण-पूर्व ईरान में ओमान की खाड़ी पर चाबहार का बंदरगाह शहर है।सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के मकरान तट पर ओमान की खाड़ी के करीब और होर्मुज जलडमरूमध्य का मुहाना है जहाँ हमको चाबहार बंदरगाह मिलेगा। केवल ईरान के इस बंदरगाह की हिंद महासागर तक सीधी पहुंच है।इन लैंडलॉक देशों में इसे गोल्डन गेट के रूप में जाना जाता है।समानताएँ-दोनों बंदरगाहों का मेजबान देशों पाकिस्तान और ईरान और उन देशों (चीन और भारत) के लिए जो दोनों बंदरगाहों पर शिपिंग कंटेनरों और अन्य सुविधाओं के निर्माण में निवेश करते हैं, दोनों के लिए व्यापक आर्थिक महत्व है।हालांकि, उस क्षेत्र में मौजूद उग्रवाद का स्तर जहां दो बंदरगाह स्थित हैं, उनके बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है।अंतर,एक अलग स्तर पर, भारत और चीन की निवेश सहायता की प्रकृति में कई जटिलताएं हैं जो मेजबान देशों पर उनकी आर्थिक निर्भरता की डिग्री को प्रभावित करती हैं और प्रभावित करती हैं।इसके अतिरिक्त चाबहार के विपरीत जहां भारत से कोई बाहरी जनसांख्यिकीय प्रवाह नहीं है ग्वादर ने बंदरगाह में काम कर रहे चीनी लोगों को समायोजित करने के लिए निपटान निर्माण में वृद्धि देखी है।अफगानिस्तान की स्थिति और प्राथमिकताएं जो मध्य एशिया के लिए इन देशों के भूमि पुल के रूप में कार्य करती हैं, एक अन्य कारक हैं।अपनी समुद्री कनेक्टिविटी के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता के विकल्प के रूप में अफगानिस्तान चाबहार के घटनाक्रम को एक सकारात्मक और लाभप्रद कदम के रूप में देखता है। साथियों बात अगर हम ग्वादर बंदरगाह के साथ जुड़ी पड़ोसी देशों व पश्चिमी देशों की चिंताओं की करें तो,ग्वादर ने पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत के साथ-साथ पश्चिमी देशों में भी चिंता पैदा कर दी है।पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने की अपनी क्षमता के संदर्भ में। इनमें से कुछ चिंताएं हैं;सामान्य चिंताएं-प्रत्येक राष्ट्र ग्वादर को रणनीतिक रूप से अलग तरह से देखता है।चीन के लिए यह एक महत्वपूर्ण पारगमन मार्ग है जो इसे बीजिंग से दुबई की यात्रा करने की अनुमति देता है।यह चीन

को अपने पश्चिमी क्षेत्र को निकटतम बंदरगाह से जोड़ने और विस्तार करने में भी मदद करता है।इस क्षेत्र के राष्ट्र सबसे अधिक चिंतित हैं कि बंदरगाह को सैन्य रूप से रणनीतिक स्थिति में बदल दिया जा सकता है जहां चीन अपना नौसैनिक अड्डा स्थापित कर सकता है।इसके अतिरिक्त चीन उद्देश्यपूर्ण रूप से रणनीतिक अस्पष्टता की नीति अपना रहा है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा में किसी भी संभावित वृद्धि की प्रत्याशा में, अपने चयन के एक पल में नौसेना कार्रवाई को बढ़ावा देने का विकल्प प्राप्त कर रहा है।परिणामस्वरूप पड़ोसी देशों में सुरक्षा की स्थिति और अधिक समस्याग्रस्त होती जा रही है।इसके अतिरिक्त, यह संवेदनशील क्षेत्रीय सुरक्षा प्रणाली को और अधिक जटिल बनाता है।भारत की चिंता,भारत हमेशा चीन की मुखर क्षेत्रीय व्यस्तताओं से परेशान रहा है।प्रचलित सर्वसम्मति यह रही है कि ईरान के चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारत की भागीदारी ग्वादर में व्यापक निर्माण परियोजनाओं की प्रतिक्रिया है।जबकि ग्वादर एक सैन्य रणनीतिक पहल है, चाबहार केवल एक वाणिज्यिक उद्यम है।चाबहार के लिए खतरे के रूप में देखे जाने वाले ग्वादर के विकास के बारे में चिंता ईरान में भी मौजूद है।ईरानी सरकार ने प्रतिद्वंद्विता पर सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सद्भावना के रूप में ग्वादर और चाबहार के बीच एक कड़ी बनाने का सुझाव दिया है।संयुक्त राज्य अमेरिका की चिंता-पश्चिम एशियाई क्षेत्र में चीन के भू-राजनीतिक उद्देश्यों को लेकर अमेरिका (अमेरिका) में भी चिंता जताई गई है।हालांकि अमेरिका ने इस संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई बड़ी घोषणा नहीं की है, लेकिन वह ग्वादर के घटनाक्रम पर पैनी नजर रखे हुए है।प्रशांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों के बारे में अपनी चिंताओं के विपरीत, सामान्य रूप से पश्चिमी हिंद महासागर और विशेष रूप से ग्वादर में चीनी उपस्थिति के बारे में अमेरिका की बेचैनी निचले स्तर पर स्पष्ट है। साथियों बात अगर हम ग्वादर पोर्ट के भू-राजनीतिक प्रभाव की करें तो, भारत ने चीन के एक मोतियों की माला से घिरे होने पर चिंता व्यक्त की है। शत्रुता की स्थिति में,भारत चीनी आयात को जलडमरूमध्य से गुजरने से रोक सकता है।ग्वादर बंदरगाह का विकास ओमान की खाड़ी और अरब सागर में इसकी नौसैनिक सुरक्षा के माध्यम से भारत के ऊर्जा और तेल के आयात के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए खतरा है।अंडमान सागर में भारतीय समुद्री निगरानी केपरिणामस्वरूप पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह में चीनी रुचि बढ़ सकती है।भारत ने चाबहार बंदरगाह विकसित करके जवाब दिया, जो पाकिस्तान में चीन द्वारा निर्मित ग्वादर बंदरगाह से सिर्फ 76 समुद्री मील की दूरी पर है।रूस, मध्य एशियाई राष्ट्रों और अफगानिस्तान के साथ व्यापार संपर्क में सुधार के लिए, भारत ने चाबहार बंदरगाह के निर्माण के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया।चाबहार विशेष आर्थिक क्षेत्र में निवेश के लिए भारत ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां लिंक किए गए पेज में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के बारे में और जानकारी है।चाबहार हाजीगक कॉरिडोर का विकास भारत की प्राथमिकता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि अफगान सरकार ने भारतीय फर्मों को हाजीगक लौह और इस्पात परियोजना के लिए अनुबंध दिया था। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा।सीपीईसी बेल्ट एंडरोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की एक प्रमुख परियोजना है और इसके तहत राजमार्ग, रेलमार्ग और पाइपलाइन 3, हज़ार किलोमीटर का निर्माण करते हैं। बीआरआई चीनी राष्ट्रपति का एक बहु-अरबडॉलर का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसे 2015 में लॉन्च किया गया था।बीआरआई का लक्ष्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के जरिए विश्व स्तर पर बीजिंग के प्रभाव को बढ़ाना है।यह अंततः एक बड़े राजमार्ग और रेल नेटवर्क के माध्यम से दक्षिण पश्चिमी पाकिस्तान में ग्वादर और उत्तर पश्चिमी चीन में झिंजियांग शहरों को जोड़ने का प्रयास करता है।प्रस्तावित परियोजना को काफी सब्सिडी वाले ऋणों द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा जो चीनी बैंक पाकिस्तान सरकार को प्रदान करेंगे।जब 13 नवंबर, 2016 को चीनी कार्गो को ग्वादर पोर्ट पर स्थानांतरित किया गया, तो सीपीईसी ने काम करना शुरू कर दिया, जबकि कुछ महत्वपूर्ण बिजली परियोजनाएं 2017 के अंत तक पूरी हो गईं। साथियों बात अगर हम भारत के चाबहार पोर्ट से अमेरिका को चिढ़ लगने की करें तो, भारत और ईरान के बीचहुई डील सेअमेरिका चिढ़ा हुआ है।अमेरिका शुरू से इसका विरोध करता रहा है. अब एक बार फिर उसने चेतावनी दी है. अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदे करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंध लगाए जाने का संभावित खतरा है, उसने यह भी कहा कि वह जानता है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।भारत ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। यानें 10 साल तक इसके संचालन कीजिम्मेदारी भारत की होगी।भारत ईरान के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, इससे उसे मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी, ये बंदरगाह 7,200 किलोमीटर लंबा है, इसके जरिए भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई की जाएगी। साथियों बात अगर हम भारत ईरान के चाबहार समझौते के कुछ ही घंटों में अमेरिका के बयान की करें तो, भारत द्वारा ईरान में चाबहार बंदरगाह को 10 वर्षों के लिए संचालित करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटों बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दोहराया कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदों पर विचार करने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में पता होना चाहिए। यह बात ऐसे समय में आई है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिका ने इजराइल पर हमले के बाद ईरान के मानवरहित हवाई वाहन उत्पादन को निशाना बनाते हुए उस पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने भारत और ईरान के बीच समझौते के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हम इन रिपोर्टों से अवगत हैं कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह के संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं भारत सरकार को चाबहार बंदरगाह के साथ-साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संबंध में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के बारे में बात करने दूंगा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि जब भी कोई दीर्घकालिक व्यवस्था संपन्न होगी, तो बंदरगाह में बड़े निवेश का रास्ता साफ हो जाएगा। शिपिंग मंत्रालय के एक करीबी सूत्र ने कहा कि सोनोवाल के एक महत्वपूर्ण अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है जो भारत को बंदरगाह का दीर्घकालिक पट्टा सुनिश्चित करेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का चाबहार बंदरगाह बनाम चीन का ग्वादर बंदरगाह।वैश्विक स्तरपर चाबहार व ग्वादर बंदरगाहों ने दुनियां का ध्यान आकर्षित किया।भारत का ईरानमें चाबहार बंदरगाह व चीन का पाकिस्तानमें ग्वादर बंदरगाह में केवल 72 किलोमीटर की दूरी- रणनीतिक भू-राजनीतिक लॉन्च पैड संदर्भ है।

संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

सीएम यादव ने अयोध्या पहुंच किए रामलला के दर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राज्य के वरिष्ठजन के साथ अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के दर्शन किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अयोध्या धाम से लौटने के बाद कहा कि उन्हें अयोध्या धाम पहुंचकर भगवान रामलला के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राम जन्म भूमि न्यास ने अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा कर उनके दर्शन का अद्भुत अवसर प्रदान किया है। भगवान श्रीराम अपने धाम में मुस्कुरा रहे हैं। यह पाँच सौ साल का संघर्ष है। सीएम यादव ने कहा कि लगभग दो हजार साल पहले उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या में कई निर्माण कार्य करवाए थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का अयोध्या से लगभग दो हजार साल पुराना संबंध है। 84 कसौटियों वाले खंभों का मंदिर जो पाँच सौ साल पहले आक्रांताओं ने तोड़ा था, आज पुनः वहाँ भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बन गया है। डॉ यादव के साथ पूर्व राज्यसभा सांसद रघुनंदन शर्मा, नारायण केसरी, वरिष्ठ समाजसेवी ओम मेहता तथा वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा अयोध्या गए थे। डॉ. यादव ने अयोध्या के रामायणम आश्रम पहुंचकर मंदाकिनी दीदी से भी सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार वे मंत्री मंडल के साथियों के साथ दर्शन करने अयोध्या गए थे। तब ही यह निश्चित किया था कि प्रदेश के सभी जिलों के लोग अयोध्या जाकर दर्शन करें, ऐसी व्यवस्था होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों के लोग भी प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करने आएं, इसके लिए भी योजना बनाई जा रही है।

जम्मू कश्मीर में भूकंप के हल्के झटके

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। प्रशासन के अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में स्थानीय समयानुसार 08:35 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र 33.36 डिग्री उत्तरी अक्षांश, 76.65 पूर्व देशांतर तथा पृथ्वी की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई पर रहा। उन्होंने कहा कि राज्य में कहीं से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की रिपोर्ट नहीं है।

अरे ये क्या......लड़कियों को नहीं लड़कों को ज्यादा काटता है डेंगू का मच्छर

नई दिल्ली। डेंगू का मच्छर लड़कियों से ज्यादा लड़कों को काटता है। एक इंडियन रिसर्च स्टडी में जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक हेल्थ मैग्जीन में छपी एक रिसर्च के मुताबिक भारत में लड़कियों के मुकाबले लड़कों में एडीज मच्छर के काटने और डेंगू होने की संभावना ज्यादा है। रिसर्च में रैंडमली शामिल किए गए बच्चों में देखा गया कि डेंगू वायरस के संक्रमण का अनुपात लड़कों और लड़कियों में 3.4 :1 का देखा गया। इतना ही नहीं जिस उम्र में लड़कों को डेंगू होने की आशंका सबसे ज्यादा देखी गई, वह उम्र भी 8 से 11 साल के बीच की उम्र थी। इस बारे में बॉर्न डिजीज के नोडल अधिकारी रह चुके रिटायर्ड डॉ.सतपाल बताते हैं कि आमतौर पर बारिश का मौसम शुरू होने के बाद जुलाई से लेकर नवंबर तक डेंगू का पीक सीजन होता है, हालांकि साफ पानी का स्टोरेज किसी भी महीने में और कहीं भी होने पर वहां डेंगू के मच्छर का लार्वा पनपने की संभावना होती है और यही वजह है कि इन महीनों के अलावा भी डेंगू के मामले देखे गए हैं। जहां तक लड़कों को लड़कियों से ज्यादा डेंगू एक्सपोजर होने की आशंका की बात है तब ऐसा होना संभव है। हालांकि इसके पीछे कोई बायोलॉजिकल कारण नहीं है लेकिन स्ट्रॉंग इनवायरमेंटल और सोसियोलॉजिकल कारण है। यह बीमारी भी वातावरण जनित है। यह पानी में पैदा होने वाले मच्छरों के काटने से होती है। अगर वातावरण को ठीक कर लिया जाए तब इस बीमारी से बचा जा सकता है। वहीं दूसरा फैक्टर है कपड़े है। भारत में लड़कियां और लड़कों के कपड़ों में भी थोड़ा अंतर है। सिर्फ बड़े शहरों को छोड़ दें तब गांव, देहात, कस्बों और छोटे शहरों में लड़कियां लड़कों के मुकाबले ज्यादा ढके हुए कपड़े पहनती हैं, जिसका फायदा यह होता है कि मच्छरों का एक्सपोजर कम होता है। जबकि लड़कों का पहनावा भी मच्छरों के लिए अनुकूल होता है।

बंगाल में राज भवन स्टाफ के तीन सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, पीड़ित महिला को एफआईआर करने से रोका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस के खिलाफ राज भवन में काम करने वाली महिला कर्मचारी ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। वहीं, मामले में कोलकाता पुलिस ने महिला को शिकायत दर्ज करवाने से रोकने के आरोप में राज भवन स्टाफ सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उनके ऊपर आरोप हैं कि उन्होंने पीड़ित महिला को यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने से रोका। पुलिस ने स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर (ओएसडी), पेंट्री में काम करने वाली एक महिला स्टाफ और एक चपरासी पर एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में कहा गया है कि जब राज भवन स्टाफ को मालूम चला कि पीड़ित महिला गवर्नर के खिलाफ शिकायत करने वाली है, तब उन्होंने पीड़ित महिला को गलत तरीके से रोकने का काम किया। पीड़ित महिला के बयान को मजिस्ट्रेट के जरिए रिकॉर्ड कर लिया गया है। कोलकाता पुलिस ने ओएसडी एसएस राजपूत, पेंट्री स्टाफ कुसुम छेत्री और चपरासी संत लाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। इन्होंने महिला को राज भवन से बाहर जाने से रोका था। वहीं, गवर्नर ने महिला के आरोपों से इंकार कर कहा कि ये राजनीति से प्रेरित हैं। उनका कहना है कि वह बंगाल के लोगों की शिकायतों को मुखरता के साथ उठा रहे थे। लोगों से मुलाकात कर रहे थे, इसकारण उनके खिलाफ साजिश रची गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित महिला ने मजिस्ट्रेट के सामने अपने बयान दर्ज करवा दिया है। भले ही गवर्नर के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, लेकिन उनके ऊपर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है, क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 361 (2) राष्ट्रपति और गवर्नर के खिलाफ आपराधिक मुकदमा शुरू करने की इजाजत नहीं देता। मगर राज भवन के स्टाफ को ये सहूलियत नहीं मिलती है।

सुकमा जिले में हुई मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, विस्फोटक सामग्री बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा जिले में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह मुठभेड़ टेटराई तोलनाई के जंगल में हुई है। पुलिस को यहां नक्सलियों के होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस जवानों की टीम वहां पहुंची तो घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों पर अचानक हमला बोल दिया और गोलियां बरसानी शुरु कर दी। इसके जवाब जवानों ने भी गोलियां दांगी जिसमें एक नक्सली को मार गिराया और अन्य वहां से जंगल में भाग गए। पुलिस ने मौके से नक्सली का शव समेत अन्य सामान बरामद किया है। साथ ही एक बंदूक और विस्फोटक सामग्री भी मिली है। मारे गये नक्सली की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस टीम पूरे इलाके की तलाशी कर रही है।

युवा कारोबारियों ने बढ़ाई देश की शान... इस सूची में हुए शामिल

नई दिल्ली। देश में युवा कारोबारियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये युवा उद्यमी सफलता की नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं। इसी कड़ी में देश के कई युवा कारोबारियों ने फोर्ब्स की लिस्ट में जगह बनाई है। ये सभी युवा उद्यमी 30 साल से कम उम्र के हैं। दरअसल फोर्ब्स ने 30 अंडर 30 एशिया का 9वां एडीशन जारी किया है। इसमें कई क्षेत्रों से जुड़े युवाओं को शामिल किया गया है। फोर्ब्स की इस लिस्ट में भारत के भी कई युवा कारोबारी शामिल हुए हैं। सूची में 30 साल से कम उम्र के युवा उद्यमी, नेता और इसतरह के लोग शामिल हैं, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं और इंडस्ट्री में बदलाव ला रहे हैं। फिनटेक कंपनी ट्रांसेक इंडिया क्रिप्टोकरेंसी को वीजा डेबिट कार्ड में ट्रांसफर करने की सुविधा देती है। फोर्ब्स की लिस्ट में ट्रांसेक इंडिया के फाउंडर येशु अग्रवाल को शामिल किया गया है। येशु अग्रवाल 29 साल के हैं। कपल के फाउंडर श्रीनिवास सरकार और क्रेडिट वाइज कैपिटल के 29 वर्षीय आलेश अवलानी के नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अर्थ चौधरी, देववंत भारद्वाज और ओशी कुमारी ने भी लिस्ट में शामिल है। इन्होंने साल 2020 में एक भारतीय ड्रोन स्टार्टअप इनसाइडएफपीवी की स्थापना की थी। इसका मुख्य प्रोडक्ट उपयोग में आसान प्लग-एंड-फ्लाई ड्रोन है।

मुंबई में गरजे यूपी के सीएम योगी

कसाब को फांसी दिलवाई, अब पाकिस्तान देता है सफाई, 6 महीने के अंदर पीओके होगा हमारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई उत्तर मध्य लोक सभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'फिर एक बार मोदी सरकार' के स्वर से पूरा महाराष्ट्र गूंज रहा है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे देश के अंदर जो माहौल है, वही उत्साह जो यूपी, उत्तराखंड, बंगाल, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश,असम, कर्नाटक में है वही उत्साह मुझे महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। चारों ओर एक ही नारा गूंज रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी 400 पार। जब हम ये नारा लगाते हैं तो कांग्रेस समेत सभी दलों की नीचे की जमीन खिसक जाती है और वे घबरा जाते हैं।

मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने दीजिए, अगले 6 महीने के अंदर 'पाक अधिकृत कश्मीर' भी भारत का हिस्सा होगा। भारत के अंदर छत्रपति शिवाजी महाराज के द्वारा जिस 'हिंदवी स्वराज' की स्थापना की गई थी। मोदी जी के नेतृत्व में अब वह बनकर रहेगा। कोई माई का लाल उसको रोक नहीं पाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुंबई हमले के कसूरवार कसाब को फांसी दिलवाने का श्रेय उज्जवल निकम को दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा मुंबई हमले के बाद उज्जवल निकम ने अपनी जान जोखिम में डालकर लड़ाई लड़ी थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह नया भारत है अब कोई भी भारत पर हमला नहीं कर सकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले कांग्रेस की सरकार में आतंकी हमले होते थे तो कांग्रेस कहती थी। आतंकी सीमापार के है। उन्होंने कहा कि अब अगर पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है। उसे पता है कि ये नया भारत है। जो छेड़ता नहीं है। जो छेड़ता है उसे छोड़ता भी नहीं है।

बीजेपी नेता का दावा....मेरे रिहा होते ही कर्नाटक सरकार गिर जाएगी, कांग्रेस नेता डीके ने 100 करोड़ रुपये की पेशकश की

बेंगलुरु। विभिन्न आरोपों में जेल में बंद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता जी देवराजेगौड़ा ने आरोप लगाकर कहा है कि राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन्हें जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी पर हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित यौन उत्पीड़न का वीडियो पेन ड्राइव लीक करने का आरोप लगाने के लिए 100 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। भाजपा नेता ने डीके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा धूमिल करने और श्री कुमारस्वामी को बदनाम करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। श्री देवराजेगौड़ा ने अपनी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद कहा, उन्होंने (श्री शिवकुमार) मुझे 100 करोड़ रुपये का प्रस्ताव ही नहीं, बल्कि बेंगलुरु के बॉरिंग क्लब में कमरा 110 के लिए पांच करोड़ रुपये की अग्रिम राशि भी भेजी। भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने रिश्वत की पेशकश को ठुकरा दिया, इसके कारण उन्हें कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, चूंकि मैंने उनके साथ सहयोग करने से इंकार कर दिया, इसलिए उन्होंने मुझे पहले अत्याचार के मामले में, फिर यौन उत्पीड़न के मामले में और अंत में दुष्कर्म के मामले में फंसाया। अपने दावों को साबित करने के लिए सबूत होने पर जोर देकर उन्होंने कहा, मेरे रिहा होते ही सरकार गिर जाएगी।

बीजेपी ओडिशा में 15 लोकसभा और 75 विधानसभा सीटें जीतेगी: अमित शाह

भुवनेश्वर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि इस बार ओडिशा में दोहरा बदलाव होगा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में 15 लोकसभा और 75 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी। राउरकेला शहर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2024 का चुनाव नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और बीजू जनता दल (बीजेडी) को हटाकर ओडिशा में एक नया अध्याय शुरू करने का चुनाव है।

शाह ने कहा 'ओडिशा में दोहरा परिवर्तन होने जा रहा है। 15 से अधिक सांसदों और 75 विधायकों के साथ, ओडिशा भगवा रंग में रंगने वाला है। उन्होंने कहा, 'अगर राज्य का विकास करना है तो यहां के लोगों को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार को वोट देना चाहिए।'

शाह ने कहा कि ओडिशा ने पटनायक के नेतृत्व में 24 साल खो दिए हैं। 'ओडिशा सरकार द्वारा ओडिशा के पश्चिमी भाग के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। आज, 27 लाख (2.7 मिलियन) परिवारों के पास पक्के घर नहीं हैं, 26 लाख (2.6 मिलियन) घरों में पाइप से पीने के पानी की सुविधा नहीं है, 6,412 गांवों में उचित सड़कों का अभाव है और किसानों की आय बहुत कम है', शाह ने कहा कि यदि सत्ता में आने पर भाजपा राज्य के किसानों की मदद के लिए 20 रुपये प्रति किलो धान खरीदेगी।

शाह ने कहा कि 2024 का चुनाव ओडिया भाषा, साहित्य, संस्कृति और गौरव को बहाल करने के बारे में है।

शाह ने आरोप लगाया यह पीएम मोदी ही थे जिन्होंने द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति नियुक्त किया। इसी तरह, जी20 शिखर सम्मेलन में शीर्ष प्रतिनिधियों के स्वागत के लिए पीएम मोदी ने जानबूझकर कोणार्क सूर्य मंदिर को पृष्ठभूमि के रूप में चुना। बीजद सरकार ओडिशा की भाषा, संस्कृति और गौरव को महत्व नहीं दे रही है। क्या शासन किसी उड़िया या तमिल के हाथ में होना चाहिए? परिक्रमा परियोजना के नाम पर, यहां की सरकार ने पुरी को एक पर्यटन केंद्र बनाने की कोशिश की, जबकि श्रीमंदिर के सभी द्वार खोलने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

पुरी में जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को लेकर मुख्यमंत्री पटनायक के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए शाह ने कहा कि लंबे समय से ओडिशा के लोग और लाखों जगन्नाथ भक्त पुरी रत्न भंडार की चाबियों के बारे में पूछ रहे हैं। सीएम नवीन पटनायक को जवाब देना चाहिए कि रत्न भंडार की मूल चाबियां कहां हैं, डुप्लिकेट चाबियां किसने बनाई और क्या उनका इस्तेमाल खजाना खोलने के लिए किया गया था।

शाह ने कहा कि 10 जून को राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुरी में 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के सभी चार द्वार भक्तों के लिए देवी-देवताओं के सुचारू दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे।

शाह ने आगे पटनायक पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि नवीन बाबू के नेतृत्व में अधिकारी सरकार चला रहे हैं और आदिवासी अपनी जमीन खो रहे हैं।

शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने श्री जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की गायब चाबियों को लेकर बीजद सदस्य और पटनायक के करीबी सहयोगी वीके पांडियन से पूछताछ की।

सार्वजनिक रैलियों में भाजपा नेताओं द्वारा दिए गए भाषणों पर प्रतिक्रिया देते हुए, पटनायक ने इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण' कहा। उन्होंने अन्य राज्यों के विपक्षी नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों के प्रचार भाषणों को 'अपमानजनक और अपमानजनक' करार दिया और उन्हें 'राजनीतिक पर्यटक' बताया जो केवल चुनावों के दौरान ओडिशा आते हैं।

पीटीआई से बात करते हुए, पटनायक ने कहा, 'इस बार कुछ मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री हैं जो केवल चुनाव के समय राजनीतिक पर्यटक के रूप में आते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। उनके भाषणों का ओडिशा के लोगों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, और यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनमें से कई अपमानजनक और अपमानजनक भाषा का उपयोग करते हैं। मैं ऐसा करने में कभी विश्वास नहीं करता और यहां हमारे राज्य में लोग ऐसी भाषा की सराहना नहीं करते हैं।'

सलमान खुर्शीद ने पीएम मोदी की टिप्पणी 'कांग्रेस राम मंदिर ढहा देगी' पर आपत्ति जतायी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस आरोप पर कड़ी आपत्ति जतायी कि यदि कांग्रेस सत्ता में आयी तो वह अयोध्या में ''राम मंदिर को ढहा देगी।'' खुर्शीद ने बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी को यह याद दिलाया कि पूरे देश ने उस मंदिर को स्वीकार कर लिया है जिसका निर्माण उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार किया गया है।'' खुर्शीद ने कहा, ''प्रधानमंत्री को याद रखना चाहिए कि मंदिर के निर्माण का श्रेय उन्हें नहीं बल्कि उच्चतम न्यायालय को जाता है। ईश्वर सभी के हैं और उपासना स्थल भी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ऐसी बोल रहे हैं। केंद्र की पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में कानून और न्याय और अल्पसंख्यक मामलों जैसे विभाग संभाल चुके खुर्शीद ने कहा, हमारी पार्टी कानून के शासन में विश्वास करती है। हम किसी भी उपासना स्थल को तोड़ना नहीं चाहते हैं। उन्होंने हाल ही में कांग्रेस पर मोदी द्वारा लगाए गए इन आरोपों का भी मखौल उड़ाया कि हम पशुपालकों की भैंस और महिलाओं से उनके मंगलसूत्र छीन लेंगे।''

खुर्शीद ने कहा, प्रधानमंत्री ने यह भी दावा किया है कि हमारे घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है। उन्हें हमें बताना चाहिए कि ऐसी तुलना करने के लिए उन्हें मुस्लिम लीग का घोषणापत्र कब पढ़ने को मिला। कांग्रेस नेता खुर्शीद ने दावा किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के आरोप ''इस बात के सबूत हैं कि उन्हें भी लगने लगा है कि हम सत्ता में आ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम किसी भी हाल में चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त हैं। सत्ता में आने के बाद हम अग्निपथ योजना को खत्म करने और गरीबों को 10 किलोग्राम मुफ्त राशन देने जैसे वादे पूरे करेंगे। भाजपा अपनी पांच किलोग्राम राशन योजना के बारे में शेखी बघारती है, जिसका श्रेय खाद्य सुरक्षा अधिनियम को जाता है जो संप्रग शासन के तहत पारित किया गया था।'' खुर्शीद ने आबादी के एक वर्ग को पाकिस्तान समर्थक करार देने संबंधी भाजपा नेताओं की टिप्पणी पर अप्रसन्नता जतायी और कहा, उन्हें अपने बच्चों को पड़ोसी देश में भेजने दें, जिसका वे अपने भाषण में अक्सर उल्लेख करते हैं। मैं अपने पूर्वजों का आभारी हूं जिन्होंने विभाजन के दौरान सौतेली मां की अपेक्षा अपनी मां को प्राथमिकता देते हुए यहीं रहने का निर्णय लिया।

चारधाम यात्रा पर सरकार का एक्शन... बिना रजिस्ट्रेशन यात्रा नहीं

-बिना रजिस्ट्रेशन 260 यात्री वाहनों को रोका गया

देहरादून (एजेंसी)।। देहरादून (एजेंसी)।। चारधाम यात्रा के दौरान भीड़ नियंत्रित करने को उत्तराखंड की धामी सरकार ने कड़ा एक्शन लिया हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अफसरों को रजिस्ट्रेशन के हिसाब से ही चारधाम यात्रा की अनुमति देने को कहा है। इसके बाद बिना पंजीकरण यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और ऐसा कराने वाले टूर ऑपरेटरों के खिलाफ सख्ती शुरु हो गई है। दरअसल 10 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों एमपी, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों से श्रद्धालु दर्शन करने को उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। बद्रीनाथ, गंगोत्री-यमुनौत्री सहित चारों धामों में सबसे ज्यादा क्रेज केदारनाथ धाम का है। इन दिनों केदारनाथ में दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। यात्रा के शुरुआती हफ्ते में ही करीब पौने दो लाख तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। यात्रियों की भीड़ को व्यवस्थित करने और सुरक्षित यात्रा के लिए धामी सरकार ने रजिस्ट्रेशन सिस्टम का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, फर्जी पंजीकरण से दर्शन के लिए पहुंचने के भी कई मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को गंगोत्री जा रही दो बसों में बैठे 88 यात्रियों की पंजीकरण तिथि गलत मिली। पंजीकरण सेंटर हीना में चेकिंग के दौरान फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। यात्रियों की तहरीर पर पुलिस ने हरिद्वार के दो टूर ऑपरेटरों पर मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि मानवीय आधार पर यात्रियों को यात्रा पर जाने दिया गया। उत्तरकाशी की एसपी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि यात्री पंजीकरण कराकर तय तिथि पर ही आए। पंजीकरण में फर्जीवाड़ा मिला, तब संबंधित व्यक्ति को यात्रा नहीं करने दी जाएगी।

वीजा-मुक्त पर्यटन बढ़ाने भारत-रूस कर सकते हैं समझौता

-रूस का वीज़ा यह कार्यक्रम भारत तक ही सीमित नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त पर्यटक आदान-प्रदान हो सकता है, इसको लेकर दोनों देश एक ऐतिहासिक बातचीत शुरू करने वाले हैं, जिसका लक्ष्य पर्यटन प्रवाह को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है।

मीडिया रिपोर्टस में बताया कि बातचीत का पहला दौर जून में होना है, जिसके दौरान देश द्विपक्षीय समझौते की व्यवहार्यता का पता लगाएंगे, जिसे साल के अंत तक अंतिम रूप दिया जा सकता है। रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय में बहुपक्षीय आर्थिक सहयोग और विशेष परियोजना विभाग की निदेशक निकिता कोंद्रायेव ने रूस-कज़ान 2024 में आगामी बातचीत के बारे में विवरण साझा किया। रूस के कज़ान में आयोजित इस कार्यक्रम ने समूह वीज़ा-मुक्त यात्राओं पर बातचीत में प्रगति को उजागर करने के लिए कोंद्रायेव के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। कोंद्रायेव ने कहा कि उन्हें लगता है कि जून में मसौदा समझौते पर बातचीत करने के लिए उनके साथ पहला परामर्श आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी योजना साल के अंत तक इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की है। यह पहल अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए रूस की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इससे पहले फरवरी में, भारतीय मंत्रालय ने रूस की पर्यटन और आर्थिक योजनाओं में भारत के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए, 2024 के अंत तक भारत के साथ वीज़ा-मुक्त आदान-प्रदान को लागू करने के अपने इरादे की घोषणा की थी। रूस का वीज़ा मुक्त पर्यटन कार्यक्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। देश ने 1 अगस्त, 2023 से चीन और ईरान के साथ इसी तरह की पहल शुरू की है। इन समझौतों ने समूह यात्रा को आसान बना दिया है। भारत के साथ प्रस्तावित वीज़ा-मुक्त व्यवस्था, यदि सफल रही, तो यात्रियों के लिए नए रास्ते खुलने, दोनों ऐतिहासिक रूप से सहयोगी देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक संबंधों को बढ़ने की उम्मीद है। जून में शुरू होने वाली बातचीत के साथ, पर्यटन उद्योग के हितधारक इस बात पर उत्सुकता से नजर रख रहे हैं कि भारत-रूस के बीच पर्यटन और लोगों के बीच संबंधों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल सकता है।

जौनपुर में मस्जिद को अटाला माता मंदिर बताकर हिन्दुओं ने ठोका दावा

-हिंदू पक्ष का दावा, मस्जिद में मंदिर से जुड़े कई चिन्ह

जौनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से बड़ी खबर सामने आई है। यहां मौजूद मस्जिद को अटाला माता मंदिर बताकर जौनपुर अदालत में दावा पेश किया है। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद में मंदिर से जुड़े कई चिन्ह हैं। इसमें त्रिशूल, फूल आदि के चित्र मौजूद होने की बात कही है। इसके साथ ही दावों को पुख्ता करने के लिए पुरातत्व विभाग के निदेशक की रिपोर्ट और विभिन्न पुस्तकों का भी हवाला दिया गया।

गौरतलब है कि बीते साल ही जिले के हिन्दू समाज के लोगों ने मस्जिद को माता का मंदिर होने का दावा किया था। अब मामला अदालत जा पहुंचा है। सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में मामला चल रहा है। जिसमें आगरा के अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, प्रबंधन कमेटी अटाला मस्जिद के खिलाफ दावा पेश किया है। अधिवक्ता सिंह ने बताया कि वाद संपत्ति अटाला मस्जिद मूल रूप से अटाला माता मंदिर है। ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार अटाला माता मंदिर का निर्माण कन्नौज के राजा जयचंद्र राठौर ने अपने शासनकाल में कराया था। अधिवक्ता प्रताप ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के प्रथम निदेशक ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि अटाला माता मंदिर को तोड़ने का आदेश फिरोज शाह ने दिया था। लेकिन हिंदुओं के संघर्ष के कारण मंदिर को तोड़ नहीं सका। बाद में इब्राहिम शाह अतिक्रमण कर मंदिर का उपयोग मस्जिद के रूप में करने लगा। कलकत्ता स्कूल ऑफ आर्ट के प्रिंसिपल ईबी हेवेल ने अपनी पुस्तक में अटाला मस्जिद की प्रकृति और चरित्र को हिन्दू बताया है।

कोर्ट में पेश किए गए दावे क मुताबिक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की अनेक रिपोर्ट्स में अटाला मस्जिद के चित्र दिए गए हैं। इसमें त्रिशूल, फूल, गुड़हल के फूल आदि मिले हैं। साल 1865 के एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल के जनरल में अटाला मस्जिद के भवन पर कलश की आकृतियों का होना बताया गया है। दावा है कि अटाला मस्जिद ही अटाला माता मंदिर का मूल भवन है।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान में बारिश-बाढ़ से 370 की मौत

काबुल । अफगानिस्तान में तीन हफ्तों से हो रही भारी बारिश के कारण 370 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और 1600 लोग घायल हैं। तालिबानी अधिकारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान घोर प्रांत में हुआ है। यहां शनिवार को बाढ़ से 60 लोगों की मौत हो गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए तालिबानी सरकार ने वायुसेना को लोगों की मदद के लिए भेज दिया है। तालिबान के प्रवक्ता मावलवी अब्दुल ने बताया कि इलाके में अभी भी कई लोग लापता हैं। खराब मौसम के कारण घायलों तक मदद पहुंचाने में बचाव दल को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। अफगानिस्तान के बदख्शां, घोर, बगलान और हेरात समेत पूरे अफगानिस्तान में अब तक 6 हजार से ज्यादा घर बह चुके हैं।

इजराइल के युद्ध कैबिनेट के सदस्य ने दी पद छोड़ने की धमकी

येरुशलम। इजराइल के तीन सदस्यीय युद्ध कैबिनेट के सदस्य बेनी गैंट्ज ने गाजा में युद्ध के लिए नई योजना नहीं अपनाने पर सरकार से इस्तीफा देने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध पर कोई नई योजना नहीं अपनाई तो वह 8 जून को अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनकी घोषणा से सात महीने से अधिक समय से गाजा में युद्ध लड़ रहे इजराइल के नेतृत्व में विभाजन के संकेत मिलते हैं, जिसे हमास को खत्म करने और सात अक्टूबर के हमले में अपहृत कई बंधकों को रिहा कराने के अपने घोषित लक्ष्यों को पूरा करना बाकी है।

गाजा को 160 टन से अधिक का ईंधन पहुंचाया गया ~ आईडीएफ

यरूशलम। आईडीएफ यानी इजराइल रक्षा बल का कहना है कि अमेरिका द्वारा स्थापित अस्थायी घाट के माध्यम से गाजा पट्टी में 160 टन से ज्यादा ईंधन पहुंचा दिया गया है। गौरतलब है कि यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने गुरुवार को ही बताया था कि अमेरिकी सेना ने एन्क्लेव में मानवीय सहायता पहुंचाने गाजा पट्टी में एक अस्थायी घाट स्थापित कर दिया है। इसी के माध्यम से ईंधन पहुंचाया गया है। आईडीएफ ने अपने एक बयान में शनिवार को कहा कि इसके अतिरिक्त, गाजा पट्टी में आवश्यक मानवीय अवसंरचना के संचालन के लिए, अस्पतालों और आश्रय क्षेत्रों सहित, 162,000 लीटर ईंधन और डीजल स्थानांतरित किया गया है।

अफगानिस्तान की बाढ़ में मरने वालों की संख्या 70 पहुंची, 10 लापता

काबुल। अफगानिस्तान के घोर और फरयाब प्रांतों में बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 70 के करीब पहुंच गई है। यह जानकारी दे रहे अफगान के मीडिया सेंटर ने बताया कि घोर में बाढ़ से 50 लोगों की मौत हुई, जबकि फरयाब में बाढ़ के कारण करीब 18 लोग मारे गए हैं, 10 अन्य लापता बताए गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार फरयाब में 07 अन्य लोगों की भी मौत हुई। इस प्रकार बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है10 अन्य लापता हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फरयाब में सात और लोगों की मौत हो गई। यहां बतलाते चलें कि बाढ़ के कारण सर-ए पोल प्रांत भी प्रभावित हुआ है।

अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता पर रिपोर्ट बनाने में एक भी हिंदू नहीं

वाशिंगटन,। अमेरिका में रह रहे भारतवंशी लोगों ने अमेरिकी आयोग पर भारत और हिंदुओं को लेकर पक्षपाती रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया है। भारतीय प्रवासियों के संगठन फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने कहा है कि अमेरिका के धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में हिंदू धर्म का एक भी प्रतिनिधि नहीं है, लेकिन यह हिंदुओं के ऊपर रिपोर्ट तैयार करता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट में विविधता और संतुलन की कमी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एफआईआईडीएस के खंडेराव कांड ने बताया कि आयोग में एक भी हिंदू प्रतिनिधित्व नहीं

है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में विविधता लाने और उचित संतुलन बनाने के मामले में यह बड़ी चूक है। खंडेराव अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में तीन नए आयुक्तों की नियुक्ति पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। नए नियुक्त मॉरीन फर्ग्यूसन, विकी हार्टजलर और आसिफ महमूद हैं। 14 मई को आयोग के पिछले आयुक्तों अब्राहम कूपर, डेविड करी, फ्रेडरिक डेवी, मोहम्मद माजिद, नूरी तुर्केल और फ्रैंक वुल्फ का कार्यकाल खत्म हो गया था। खंडेराव ने कहा कि नई नियुक्तियां दर्शाती हैं कि अमेरिकी सरकार ने यूएससीआईआरएफ में विविधता और संतुलन के लिए एक हिंदू प्रतिनिधि रखने का अवसर गंवा दिया है। हालिया वार्षिक रिपोर्ट को लेकर उन्होंने कहा कि ऐसी रिपोर्ट हमेशा चूक भरी होती हैं। उन्होंने कहा, अध्ययन संदर्भों को नहीं दर्शाता है। यह ऐतिहासिक तथ्य या रुझान नहीं देता। इस तरह रिपोर्ट एक नैरेटिव के हिसाब से चलने लगती है और इसलिए यह तथ्यात्मक रूप से पूर्ण नहीं होती है, और एक विवाद बन जाती है। यह निश्चित रूप से भारत विरोधी है। उन्होंने कहा कि अध्ययन में पारदर्शिता का अभाव है कि विशेषज्ञों का चयन कैसे किया जाता है या साक्ष्य कैसे एकत्र किए जाते हैं। इसमें विविधता की कमी है, जिसके चलते रिपोर्ट विवादात्मक और पक्षपाती है।

नेतन्याहू के खिलाफ बगावत, जनता के साथ मंत्री भी उतरे विरोध में

गाजा । लगातार युद्ध और जनहानि को देखते हुए इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ जनता के साथ अब उनके मंत्री भी बगावत करने की धमकी दे रहे हैं। इजराइल के वॉर कैबिनेट मंत्री बेनी गांट्ज ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को धमकी दी है कि अगर उन्होंने जंग के बाद गाजा के लिए नया प्लान नहीं बनाया तो वे कैबिनेट से इस्तीफा दे देंगे। गांट्ज ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास इसके लिए 8 जून तक की डेडलाइन है। तब भी अगर आप कट्टरपंथियों का रास्ता चुनेंगे और पूरे देश को तबाही की तरफ ले जाएंगे, तो हम वॉर कैबिनेट छोड़ देंगे। गांट्ज ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद शुरू हुई जंग मकसद से भटक रही है। इजराइली सेना युद्ध के मैदान में अपना पराक्रम दिखा रही है, लेकिन उन्हें भेजने वाले कुछ लोग डरपोक बनकर अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट रहे हैं। गांट्ज ने आगे कहा कि हमास की सुरंगों में इजराइली बंधकों को नर्क जैसे माहौल में रहना पड़ रहा है। लेकिन कुछ राजनेता सिर्फ अपने बारे में सोच रहे हैं। गांट्ज ने जंग को लेकर 6 पॉइंट का एक प्लान भी बनाया है। इसमें बंधकों की घर वापसी, हमास की सत्ता को खत्म करने और गाजा पट्टी से सैनिकों को हटाने की बात कही गई है। इसके अलावा गाजा में अमेरिका, यूरोप, अरब और फिलिस्तीनी अथॉरिटी की मदद से एक नया प्रशासन शुरू करने का भी जिक्र है। हमास के खिलाफ जंग शुरू होने के बाद इजराइल में वॉर कैबिनेट बनाई गई थी। इसमें नेतन्याहू के अलावा उनके रक्षा मंत्री और विपक्षी नेता बेनी गांट्ज शामिल हैं। इसके अलावा तीन सदस्यों को ऑब्जर्वर के तौर पर रखा गया है। हमास के खिलाफ जंग शुरू होने के बाद इजराइल में वॉर कैबिनेट बनाई गई थी। इसमें नेतन्याहू के अलावा उनके रक्षा मंत्री और विपक्षी नेता बेनी गांट्ज शामिल हैं। इसके अलावा तीन सदस्यों को ऑब्जर्वर के तौर पर रखा गया है। दूसरी तरफ, इजराइल और हमास जंग के बीच गाजा में इजराइली एयरस्ट्राइक में 83 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 105 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस एयरस्ट्राइक में इजराइली सेना ने उन शिविरों को टारगेट किया, जहां हजारों लोगों ने शरण ली थी। हमले के कारण आस-पास की बिल्डिंग गिर गई। बिल्डिंग के मलबे की चपेट में आने से कई लोग दब गए। राहत और बचाव दल लोगों वहां से निकालने की कोशिश में लगे हुए हैं। इजराइल की सेना ने जबालिया शिविर में एक पानी के कंटेनर को निशाना बनाया, जिससे फिलिस्तीनी लोग पानी भर रहे थे। इस हमले में 8 लोग मारे गए और 10 घायल हो गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। घायलों की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई हैं। इजराइली एयरस्ट्राइक के बाद हमास ने कहा कि वे राफा और गाजा में चल रही इस लड़ाई का जवाब देंगे। हमास के प्रवक्ता ने कहा कि हम पीछे नहीं हटेंगे। इजराइल के राफा पर हमले के बाद 8 लाख लोग शहर छोड़ चुके हैं। 7 महीने से जारी इजराइल-हमास जंग में अब तक 35 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है।

प्रधानमंत्री प्रचंड को विश्वास मत हासिल करने का है भरोसा

काठमांडु। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड को विश्वास है कि वो सोमवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल कर लेंगे। दरअसल गठबंधन के सहयोगी द्वारा सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद प्रचंड को विश्वास मत का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व गुरिल्ला नेता व पीएम प्रचंड (69) नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) के प्रतिनिधि हैं। यहां बतलाते चलें कि यह पार्टी प्रतिनिधि सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है और पद संभालने के 18 महीने के अंदर प्रचंड चौथी बार संसद में विश्वास मत हासिल करेंगे। प्रचंड ने 25 दिसंबर 2022 को पीएम पद को संभाला था। प्रचंड ने शनिवार को काठमांडू में सत्तारूढ़ पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा, कि इसमें कोई शक नहीं कि मेरी सरकार शक्ति परीक्षण में सफल रहेगी। इसी के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्षी दलों के बीच पैदा हुए मतभेदों को बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाएगा। यहां बतलाते चलें कि प्रधानमंत्री जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं यदि वह विभाजित हो जाए या फिर गठबंधन सरकार का कोई सदस्य समर्थन वापस ले ले तो इस स्थिति में प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर विश्वास मत हासिल करना आवश्यक हो जाता है। अब चूंकि पिछले हफ्ते जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) ने गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया अत~ सोमवार को संसद में प्रचंड को समर्थन हासिल करना आवश्यक हो गया है। प्रचंड ने उम्मीद जाहिर की है कि उन्हें समर्थन हासिल हो जाएगा।

ताइवान की संसद में चले लात-घूसे

ताइपे। ताइवान में नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते की शपथ से 2 दिन पहले देश की संसद में शुक्रवार को सांसदों के बीच जमकर लड़ाई हुई। इस दौरान लात-घूंसे भी चले। कुछ सांसद स्पीकर की सीट पर भी चढ़ गए। वे एक-दूसरे को खींचकर मारपीट करते नजर आए। इस बीच सांसद सदन से एक बिल से जुड़े दस्तावेज लेकर भाग गया। दरअसल, ताइवान की संसद में एक प्रस्ताव लाया गया है। इसके तहत सरकार के कामकाज पर नजर रखने के लिए विपक्षी सांसदों को ज्यादा पावर देने की बात कही गई है। इसके अलावा संसद में झूठा बयान देने पर सरकारी अधिकारियों पर क्रिमिनल केस दर्ज किया जाएगा। इसी बिल पर वोटिंग से ठीक पहले नए राष्ट्रपति चिंग ते की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी और चीन समर्थक विपक्ष की कुमेन्तांग पार्टी के लोगों के बीच झड़प हो गई। जब सांसद सदन में पहुंचे तो वे एक-दूसरे पर लड़ाई करने का आरोप लगाने लगे। दरअसल, 20 मई को ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले हैं। हालांकि, उनकी पार्टी डीपीपीके पास संसद में बहुमत नहीं है। ताइवान की मुख्य विपक्षी पार्टी केएमटी के पास डीपीपीसे ज्यादा सीटें हैं।

इंडोनेशिया के माउंट ईबयू ज्वालामुखी से उठता हुआ धूआं।

अफगानिस्तान के घोर प्रांत में आई बाढ़ के बाद पूरे इलाके में नजर आ रही तबाही।

दुनिया में ऐसे देश कम है जहां भारत की तरह जीवंत लोकतंत्र हो

वाशिंगटन। देश में इस समय लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इन चुनावों को लेकर कुछ दिन पहले अमेरिका ने सवाल खड़े किए थे जिस पर भारत ने उन्हें जवाब भी दिया था। अब अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास व्हाइट हाउस ने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए भारत की प्रशंसा की है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा कि विश्व में ऐसे देश कम है जहां भारत से अधिक जीवंत लोकतंत्र हो। हम मताधिकार का इस्तेमाल करने और सरकार चुनने के लिए भारत के लोगों की प्रशंसा करते हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। किर्बी से भारत में जारी आम चुनावों को लेकर सवाल किया गया था जिनके तहत 96 करोड़ 90 लाख से अधिक लोग 2,660 पंजीकृत राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले हजारों उम्मीदवारों में से 545 सांसदों का चुनाव करने के लिए 10 लाख मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि बाइडन प्रशासन के विशेष रूप से पिछले तीन साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ हमारे संबंध बेहद करीबी हैं जो लगातार और मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत जीवंत, बहुत सक्रिय भागीदारी है और हम पीएम मोदी के नेतृत्व के बहुत आभारी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति जो बाइडन का मानना ??है कि भारत और जापान विदेशी नागरिकों से नफरत करने वाले देश हैं, तो उन्होंने नहीं में जवाब दिया और कहा कि राष्ट्रपति ने जब इस संबंध में बयान दिया था तब वह एक व्यापक बिंदु पर बात रहे थे। बता दें बाइडन ने हाल में एक कार्यक्रम में कहा था कि आप जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं. क्यों? क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। बाइडन ने कहा था कि इसके बारे में सोचिए। चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह ठहर सा क्यों रहा है? जापान को क्यों परेशानी हो रही है? रूस को क्यों दिक्कत हो रही है? भारत को क्यों दिक्कत हो रही है?

किर्गिस्तान में पाकिस्तानी छात्रों पर हो रहे हमले अब तक कईयों की गई जान

बिश्केक। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में स्थानीय लोगों के हमले में कम से कम तीन पाकिस्तानी छात्रों की जान चली गई। स्थानीय लोगों ने कई पाकिस्तानी और भारतीय छात्रों के हॉस्टलों को निशाना बनाया और तोड़फोड़ की। इसके अलावा बड़ी संख्या में छात्रों के घायल होने की भी खबरें है। किर्गिस सरकार के बयान में कहा गया कि अब हालात काबू में हैं और सभी सुरक्षित हैं।स्थानीय मीडिया की मानें तो किर्गिस्तानी और विदेशी छात्रों के बीच किसी मामूली बात पर झड़प हुई थी। इसके बाद इसका वीडियो वायरल होने लगा। बताया गया कि झड़प में किर्गिस्तानियों के साथ पाकिस्तानी और एजिप्ट के छात्र शामिल थे। इसके बाद किर्गिस्तानी छात्रों ने यह कहते हुए प्रदर्शन किया कि पुलिस भी विदेशी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि घटना के बाद तीन विदेशियों को हिरासत में लिया गया था। वहीं हिंसक भीड़ ने पाकिस्तानी, भारतीय और बांग्लादेशी छात्रों पर हमला शुरू कर दिया। भारत सरकार ने भी अपने छात्रों के लिए अडवाइजरी जारी की और उन्हें घरों के अंदर रहने की ही सलाह दी है। हिंसा की खबरों के बाद किर्गिस्तान की एजेंसियों ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय छात्रों से कहा है कि वे लगातार दूतावास के संपर्क में रहें और कोई भी परेशानी होने पर तत्काल सूचना दें। वहीं पाकिस्तान ने भी अपने छात्रों को सावधान किया है।

किर्गिस्तान में पाकिस्तानी छात्रों पर हो रहे हमले अब तक कईयों की गई जान

बिश्केक। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में स्थानीय लोगों के हमले में कम से कम तीन पाकिस्तानी छात्रों की जान चली गई। स्थानीय लोगों ने कई पाकिस्तानी और भारतीय छात्रों के हॉस्टलों को निशाना बनाया और तोड़फोड़ की। इसके अलावा बड़ी संख्या में छात्रों के घायल होने की भी खबरें है। किर्गिस सरकार के बयान में कहा गया कि अब हालात काबू में हैं और सभी सुरक्षित हैं।स्थानीय मीडिया की मानें तो किर्गिस्तानी और विदेशी छात्रों के बीच किसी मामूली बात पर झड़प हुई थी। इसके बाद इसका वीडियो वायरल होने लगा। बताया गया कि झड़प में किर्गिस्तानियों के साथ पाकिस्तानी और एजिप्ट के छात्र शामिल थे। इसके बाद किर्गिस्तानी छात्रों ने यह कहते हुए प्रदर्शन किया कि पुलिस भी विदेशी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि घटना के बाद तीन विदेशियों को

हिरासत में लिया गया था। वहीं हिंसक भीड़ ने पाकिस्तानी, भारतीय और बांग्लादेशी छात्रों पर हमला शुरू कर दिया। भारत सरकार ने भी अपने छात्रों के लिए अडवाइजरी जारी की और उन्हें घरों के अंदर रहने की ही सलाह दी है। हिंसा की खबरों के बाद किर्गिस्तान की एजेंसियों ने लोगों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया है। वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय छात्रों से कहा है कि वे लगातार दूतावास के संपर्क में रहें और कोई भी परेशानी होने पर तत्काल सूचना दें। वहीं पाकिस्तान ने भी अपने छात्रों को सावधान किया है। वहां की पुलिस का कहना है कि भीड़ ने भारतीय, पाकिस्तानी और बांग्लादेशी छात्रों के हॉस्टल पर हमला किया था। भीड़ को रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की भी तैनाती की गई थी। सोशल मीडिया पर हिंसा के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं जिसमें कई विदेशी छात्रों की पिटाई की बात सामने आई है। पाकिस्तान का कहना है कि हिंसा प्रभावित छात्रों के लिए हॉटलाइन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसके अलावा जो छात्र देश छोड़ना चाहते हैं उनको भी फ्लाइट की सुविधा दी जाएगी। वहीं सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि तीन पाकिस्तानियों की हत्या के अलावा कई महिलाओं के साथ रेप किया गया। हालांकि इसपर कोई कन्फर्म रिपोर्ट नहीं मिली है। बता दें कि किर्गिस्तान में भारत के करीब 15 हजार छात्र हैं। यह कन्फर्म नहीं है कि इनमें से कितने बिश्केक में रहते हैं। रूस, यूक्रेन और बांग्लादेश के साथ ही किर्गिस्तान भी एमबीबीएस के लिए प्रसिद्ध है।

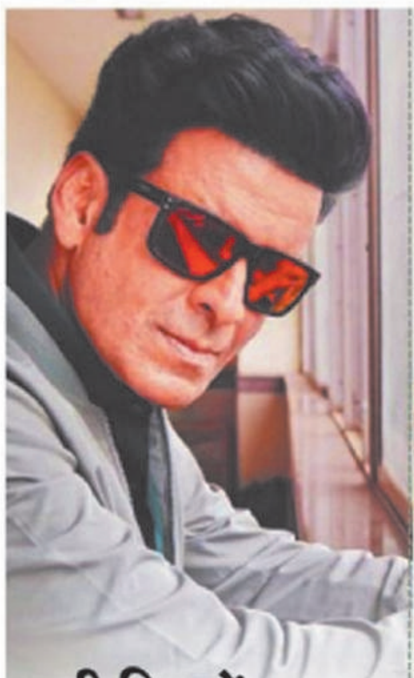

बड़ी फिल्में देखने से अच्छा है कि लोग अच्छी फिल्म देखने जाएं

मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी जल्द ही रिलीज होने जा रही है। बॉक्स ऑफिस से गायब रौनक पर एक्टर बोले-जब कोई फिल्म 400 करोड़ कमाती है तो आप उनकी लागत भी देखिए। उन्होंने आगे कहा- बड़ी फिल्में देखने से अच्छा है कि लोग अच्छी फिल्म देखने जाएं। पिछले कुछ अरसे से बॉक्स ऑफिस से रौनक गायब है। वहीं मई के महीने में भी चुनिंदा फिल्में ही रिलीज हो रही हैं। इनमें एक मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी भी है। काफी अरसे से ओटीटी पर अपना दम दिखा रहे मनोज कहते हैं कि पिछले दिनों सिनेमा पर आई उनकी फिल्म जोरम महज 250 स्क्रीन पर रिलीज हुई थी। अब सिनेमा पर अपनी फिल्म भैया जी से ही वापसी करेंगे। जब हमने मनोज से पूछा कि पहले कई फिल्में 100 करोड़ कमाती थीं, लेकिन अब ऐसा हो रहा है कि या तो फिल्में 200-400 करोड़ कमाएंगी या 50 करोड़ तक भी नहीं पहुंच पाएंगी। क्या दर्शकों की सोच में कुछ बदलाव महसूस कर रहे हैं? इसपर उन्होंने कहा, जब कोई फिल्म 400 करोड़ कमाती है तो आप उनकी लागत भी देखिए, जो काफी ज्यादा होती है। वहीं जब 12वीं फेल जैसी कोई फिल्म आती है, तो उसकी लागत भी कम होती है। अगर आप देखेंगे तो दोनों का बराबर ही रहेगा। बेशक 12वीं फेल ने 400 करोड़ ना कमाए हों, लेकिन अपने बजट के हिसाब से भी वह एक सफल फिल्म रही है।

जब तक दर्शक थियेटर में जाकर देखेगा नहीं तो पता कैसे चलेगा

बकौल मनोज, हमें हमेशा यह देखना चाहिए कि कौन सी फिल्म ने कितना कमाया, उसके हिसाब से आप फिल्म को आंक सकते हैं। लेकिन मेरा यह भी मानना है कि जब तक दर्शक थियेटर में जाकर देखेगा नहीं तो आपको पता कैसे चलेगा कि फिल्म पसंद आई की नहीं। तो जरूरी है कि दर्शक फिल्म देखें।

उन्होंने आगे कहा, दर्शक ओटीटी पर देख रहे हैं और ओटीटी से ज्यादा अच्छा कॉन्टेंट कहीं नहीं है। जितने भी नए-नए डायरेक्टर, ऐक्टर, कहानियां ओटीटी पर आ रही हैं, इतने पहले कभी भी हमारे सिनेमा में नहीं आए। फिल्मों की एक अजीब बीमारी हो चुकी है कि मूवी अगर 200 करोड़ कमाए तो अच्छी फिल्म है, जो मुझे समझ नहीं आता है। जो फिल्म 5-7 करोड़ कमाती है, वो मैंने देखी हुई हैं और वो ज्यादातर फिल्में अच्छी होती हैं। अगर दर्शक ज्यादा से ज्यादा उन फिल्मों को देखने जाएंगे, तो इन फिल्मों को पैसे मिलेंगे और ऐसी फिल्में ज्यादा बनेंगी। बड़ी फिल्में देखने से अच्छा है कि लोग अच्छी फिल्म देखने जाएं।

ऋचा चड्ढा से लेकर बॉबी देओल तक, छोटी भूमिकाओं के बाद भी स्क्रीन पर छाए ये सितारे

फिल्म आनंद का एक डायलॉग जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं काफी ज्यादा मशहूर हुआ था। यही बात किरदारों पर भी लागू होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे अभिनेताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने कम स्क्रीन टाइम में भी अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। आइए जानते हैं...

ऋचा चड्ढा

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार की चर्चा इन दिनों हर तरफ हो रही है। इस शो में कई अभिनेत्रियों ने काम किया है, लेकिन ऋचा चड्ढा ने लज्जो के रूप में लोगों पर गहरा प्रभाव डाला है। इस वेब सीरीज में उनके अभिनय की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। अपनी अदाकारी से उन्होंने इस छोटे से रोल में भी जान फूंक दी है।

तृप्ति डिमरी

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल बीते साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तृप्ति डिमरी कैमियो रोल में नजर आई थीं। फिल्म में अपने प्रदर्शन से उन्होंने लोगों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म के बाद तृप्ति की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है।

बॉबी देओल

एनिमल में बॉबी देओल भी कैमियो रोल में नजर आए थे। कम स्क्रीन टाइम के बावजूद अपनी एक्टिंग से उन्होंने लोगों के मन में अमिट छाप छोड़ी थी। फिल्म में उनका जमाल कुडू स्टेप काफी ज्यादा पसंद किया था। इस फिल्म के बाद बॉबी जल्द ही कंगुवा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वे नकारात्मक भूमिका में हैं।

विक्की कौशल

राजकुमार हिरानी की डंकी में विक्की कौशल ने अपने किरदार से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अपने सीमित स्क्रीन समय के बावजूद, विक्की ने अपनी भूमिका को गहराई और भावना से भर दिया था। वे जल्द ही छावा और बैड न्यूज जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

भारत को रिप्रेजेंट करने कान फिल्म फेस्टिवल के लिए रवाना हुई कियारा

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए मुंबई से रवाना हो गई हैं। एक्ट्रेस को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देखा गया। उन्होंने क्रीम कलर की आउटफिट और मैचिंग स्नीकर्स के साथ लाइट ब्राउन लॉन्ग जैकेट पहनी, साथ ही अपने बालों का बन बनाया हुआ था।

कियारा 18 मई को कान में भारत को रिप्रेजेंट करेंगी और रेड सी फिल्म फाउंडेशन में वीमेन इन सिनेमा गाला का हिस्सा बनेंगी। वह कान में वैनिटी फेयर द्वारा आयोजित सिनेमा गाला डिनर में भी शामिल होंगी। ऐश्वर्या राय बच्चन, अदिति राव हैदरी और शोबिता धूलिपाला जैसी अन्य एक्ट्रेस भी इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में होंगी। इस साल इस फेस्टिवल में भारत का उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व है, जिसमें विभिन्न वर्गों के तहत सात फिल्में दिखाई जाएंगी। 30 सालों के बाद कान फिल्म फेस्टिवल में पाल्मे डीओर पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली फिल्म निर्माता पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट होगी, जिसकी 23 मई को फेस्टिवल में स्क्रीनिंग होगी। मलयालम फिल्म दो रूममेट्स की कहानी है जो एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करती हैं। प्यार और आत्म-खोज कैसे उनके दृष्टिकोण में बदलाव लाते हैं, यही कहानी का सार है।

खुशी कपूर के साथ अनटाइटल्ड फिल्म की तैयारी

में आमिर के बेटे जुनैद खान बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने एक्ट्रेस खुशी कपूर के साथ अपनी तीसरी अनटाइटल्ड फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है। प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, फ्रजुनैद ने पहले ही दो फिल्मों की शूटिंग पूरी कर ली है और अब वह अपने तीसरे प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं, जो पिछली दो फिल्मों से बहुत अलग है। उनकी अगली अनटाइटल्ड फिल्म में वह खुशी कपूर के साथ दिखेंगे, जिसको लेकर फैंस के बीच काफी उत्सुकता है। जुनैद ने अपने प्रोजेक्ट महाराजा और साई पल्लवी के साथ अनटाइटल्ड फिल्म पूरी कर ली है। महाराजा कथित तौर पर 1862 के महाराजा लिबेल केस से प्रेरित है। इसमें जयदीप अहलावत और शारवरी वाघ भी हैं, कथित तौर पर जुनैद एक रिपोर्टर की भूमिका निभाएंगे। हालांकि, फिल्म की अन्य जानकारियां अभी भी गुप्त हैं।

फिल्म इश्क विश्क रीबाउंड से डेब्यू करेंगी पशमीना

रोहित सराफ, पशमीना रोशन, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल स्टारर फिल्म 'इश्क विश्क रीबाउंड' का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में ट्विस्ट के साथ मॉर्डन लव की झलक मिली। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई शाहिद कपूर और अमृता राव स्टारर सुपरहिट फिल्म 'इश्क विश्क' की सीक्वल है।

रोहित बोले- यह उस टाइप की कहानी नहीं

एक मिनट के इस टीजर की शुरुआत रोहित सराफ के डायलॉग से होती है। इसमें वो कहते हैं- 'कहते हैं जब किसी से प्यार हो जाए तो सबमें उसी का चेहरा दिखता है। यह उस टाइप की कहानी नहीं है।' इसके बाद टीजर में 4 दोस्तों के बीच दोस्ती, प्यार और लड़ाई की झलक दिखती है। रोहित के अपोजिट इस फिल्म से ऋतिक रोशन की कजिन पशमीना रोशन बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। वहीं फिल्म में जिबरान और नायला भी अहम रोल में होंगे।

21 जून को थिएटर्स में होगी रिलीज

इसे मराठी एक्टर-डायरेक्टर निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने डायरेक्ट किया है। बतौर डायरेक्टर यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है। फिल्म 21 जून को थिएटर्स में रिलीज होगी।

इश्क विश्क से शाहिद ने किया था बॉलीवुड डेब्यू

इससे पहले साल 2003 में रिलीज हुई इसी फ्रेंचाइज की पहली फिल्म इश्क विश्क से शाहिद कपूर ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म स्लीपर हिट थी। 5 करोड़ में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 12 करोड़ रुपए कमाए थे।

धोनी के बारे में बोलीं जान्हवी कपूर

फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। ये क्रिकेट पर बेस्ड फिल्म है। कल यानी मंगलवार की शाम फिल्म के सॉन्ग लॉन्च इवेंट में जान्हवी कपूर और राजकुमार राव पहुंचे। मीडिया के साथ सवाल जवाब में उनसे रूः धोनी से जुड़ा सवाल किया गया। जब उनसे पूछा गया कि वो महेंद्र सिंह धोनी के कितने बड़े फैन हैं और क्या उन्हें ये फिल्म दिखाएंगे? इस पर राजकुमार राव ने कहा- हम क्याज्पूरी दुनिया उनकी फैन है। हम उन्हें बहुत प्यार करते हैं। वहीं जान्हवी ने कहा- हम सभी उनके फैन हैं। उन्होंने हमारे देश के लिए बहुत कुछ किया है। मैं ये कहना चाहूंगी कि सिर्फ क्रिकेटर होने के नाते हम उनसे प्यार नहीं करते हैं। उनका मिजाज, उनके उसूल और वो जिस तरह के इंसान हैं, उनका पूरा व्यक्तित्व मुझे बहुत पसंद है।

जान्हवी ने कहा मुझे याद है एक बार धोनी ने अपने इंटरव्यू में कहा था- नतीजे के बारे में नहीं है, प्रोसेस के बारे मे है। प्रोसेस को ईमानदारी ने निभाओगे, मेहनत करोगे तो नतीजा अपने आप दिख जाएगा। आपके मेहनत करने के बाद नतीजा ना भी दिखे तो फर्क नहीं पड़ता है। जान्हवी का कहना है कि फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' महेंद्र सिंह धोनी की इस लाइन पर बनी है। जान्हवी उम्मीद करती हैं कि वो फिल्म में इस बात को ठीक तरीके से दिखा पाएं। एक्ट्रेस ने कहा कि हम उन्हें और उनकी वाइफ साक्षी धोनी को ये फिल्म दिखाना चाहते हैं, लेकिन मुझे लगता है वो काफी बिजी होंगे।

बता दें, इस फिल्म में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के बीच शानदार लव केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। दोनों की साथ में यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्हें 2021 की फिल्म रूही में देखा गया। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जब उनसे पूछा गया कि धोनी की सबसे अच्छी क्वालिटी क्या लगती है? इस पर राजकुमार ने कहा- वो इतने बड़े लीजेंड हैं, लेकिन जिस तरह से वो टीम को लीड करते हैं, वो तारीफ के काबिल है। धोनी बहुत डाउन टु अर्थ और हंबल इंसान हैं। हमें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उनके अंदर किसी भी हालात से डील करने की अच्छी समझ है। जान्हवी ने कहा- हाल ही में मैं उनसे एक फंक्शन में मिली थी। वहां कई लोग उनके साथ सेल्फी लेने आ रहे थे, लेकिन वो केवल सेल्फी देकर हट नहीं रहे थे बल्कि उन लोगों के साथ खड़े होकर बड़े ही तमीज से बात भी कर रहे थे। उनका औरा ही सबसे अलग है। ट्रेलर से मालूम पड़ता है कि यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें रोमांस भी देखने को मिलेगा।

कांस फिल्म फेस्टिवल में फिल्म 'मंथन' की स्क्रीनिंग अटैंड करेंगे प्रतीक बब्बर

ऐश्वर्या राय, कियारा आडवाणी, अदिति राव हैदरी और शोभिता धुलिपाला के बाद अब जैकलीन फर्नांडीज, प्रतीक बब्बर और छाया कदम भी कांस फिल्म फेस्टिवल अटैंड करने जा रहे हैं।

'मंथन' के प्रीमियर में पहुंचेंगे प्रतीक बब्बर

जैकलीन, कियारा, अदिति के अलावा इस साल प्रतीक बब्बर भी कांस में नजर आएंगे। प्रतीक वहां अपनी मां दिवंगत एक्ट्रेस स्मिता पाटिल की फिल्म 'मंथन' का प्रीमियर अटैंड करेंगे। प्रतीक भी गुरुवार को कांस रवाना हो चुके हैं। इस प्रीमियर में प्रतीक के साथ एक्टर नसीरुद्दीन शाह भी शामिल होंगे। वो 1976 में रिलीज हुई फिल्म 'मंथन' का हिस्सा थे। यह फिल्म इस साल कांस क्लासिक सिलेक्शन कैटेगरी में सिलेक्ट हुई है। कांस में इस साल फिल्म मंथन का प्रीमियर होगा। फिल्म में स्मिता पाटिल के अलावा नसीरुद्दीन शाह और गिरीश कर्नाड जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे।

थिंक गैस के रिसाव की सूचना पर फिर मचा हड़कंप

मौके पर पहुंचा प्रशासनिक अमला, बिजली के खंबे से जमींन में हो रही थी स्पार्किंग

टोंगरा रोड वर्मा कालोनी में हुई घटना में मौके पर पहुंचे अधिकारी, बिजली के कारण हुई घटना

रविवार को सुबह शिवपुरी शहर की टोंगरा रोड स्थित वर्मा कॉलोनी में घटना घटित हुई, जिसकी सूचना मिलते ही एसडीम सहित अन्य अधिकारी मौके पर तत्काल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान नगर-निगम, राजस्व एवं विद्युत वितरण कंपनी का अमला उपस्थित रहा। एसडीएम शिवपुरी अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि जिस स्थान पर गैस लीकेज की आशंका थी, वहां गैस पाइपलाइन नहीं है। यहां बिजली के खंभे से अर्थिंग या करंट के कारण लीकेज की समस्या थी और बिजली के खंभे के नीचे सीधा पानी के संपर्क में आने के कारण धुआं निकल रहा था। इसी घटनास्थल पर पिछले वर्ष एक बड़ी दुर्घटना घटित हुई थी। थिंक गैस मैनेजर ने बताया कि पिछली दुर्घटना के बाद से ही इस क्षेत्र में गैस सप्लाई बंद है। इसकी जांच हेतु दल का गठन भी किया गया है और थिंक गैस के मैनेजर को हिदायत दी गई कि उक्त जांच हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के साथ शहर के अन्य भागों में जहां भी थिंक गैस की पाइप लाइन बिछी है उसके संबंध में सुरक्षा की जांच की जाए और सुरक्षा मानकों की जांच करते हुए प्रमाण पत्र मांगा है।

शिवपुरी, ब्यूरो

जिले के फतेहपुर क्षेत्र में रविवार सुबह उस समय हडकंप मच गया, जब क्षेत्र में थिंक गैस के रिसाब की सूचना मिली। इस मामले की सूचना स्थानीय लोगों ने प्रशासन को दी। प्रशासन की पूरी टीम के साथ साथ नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा मौके पर पहुंची और वहां पहुंचकर थिंक गैस के कर्मचारीयों की जमकर क्लास ली, परंतु जब मामले की जांच की तो सामने आया कि यह थिंक गैस का रिसाब नहीं है बल्कि नाले में गढे बिजली के लोहे के खंबे में करंट के चलते स्पार्किंग हो रही थी। मौके पर मौजूद थिंक गैस के अधिकारियों का कहना है कि उनके द्वारा जांच उपकरणों से जांच की गई है, जो रिसाव हो रहा है उसे थिंक गैस का नहीं होना बताया गया है। वहीं लगातार रिसाव हो रही गैस को सीवर लाइन से होने की आशंका जाहिर की गई। मौके पर मौजूद नगरीय प्रशासन ने क्षेत्र के कई सीवर लाइन पर लगे चैंबर के ढक्कन को हटा दिया है, जिससे अगर गैस का रिसाव सीवर के जरिए हो रहा हो तो वह निकल जाए। तीन लोगों की जान जाने के बाद डरे हुए है स्थानीय लोग

बता दें, 21 जून 2023 को इसी क्षेत्र में अज्ञात गैस के रिसाव से चलते एक मकान में ब्लास्ट हो गया था। इस ब्लास्ट में घायल हुए तीन लोगों की एक के बाद एक मौत हो गई थी। वहीं इस हादसे में करीब 6 लोग घायल हुए थे। धमाका इतना जबरदस्त था कि मकान की छत और दरवाजें तक उड़ गए थे। तीन लोगों की मौत के बाद प्रशासन ने इस मामले की जांच कराई थी। इस जांच कमेटी में गेल इंडिया के अधिकारी सहित प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए थे, लेकिन इस घटना को 11 माह के लगभग गुजर जाने के बाद भी अब तक की गई जांच को जनता के सामने नहीं रखा गया है। यानी की 21 जून को हुए धमाके का कारण अब तक किसी को भी नहीं बताया गया है।वहीं मौके पर मौजूद शिवपुरी एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि हर एंगल से जांच की गई थी। जांच के दौरान जानकारी में आया कि यह गैस जैसा रिसाव बिजली खंबे में अर्थिंग की वजह से पाया गया। फिलहाल बिजली के खंबे की अर्थिंग को दुरुस्त कराने बाद रिसाव बंद हुआ है। इसके बाद भी मौके पर अमले को तैनात किया गया है। जो कुछ घंटे तक मौके पर निगरानी करेगा।

समाज विकास को लेकर बैठक आयोजित, आगामी बैठक 2 जून को ठकुरपुरा में होगी आयोजित

ग्वाल समाज सकल पंच के द्वारा किया जाएगा मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान

शिवपुरी, ब्यूरो

ग्वाल समाज के विकास को लेकर स्थानीय घोसीपुरा स्थित ग्वाल धर्मशाला पर ग्वाल समाज सकल पंच शिवपुरी की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में घोसीपुरा, ठकुरपुरा और लुधावली छावनी के ग्वाल बन्धुजन मौजूद रहे। बैठक में ग्वाल समाज सकल अध्यक्ष राजू ग्वाल के द्वारा समाज के सभी समाज बन्धुजनों के सहयोग के साथ आगामी समय में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया जिस पर सभी ने सहमति जताते हुए इस प्रस्ताव को पास किया साथ ही 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं सहित समाज का नाम रोशन करने वाली विभिन्न प्रतिभाओं को भी आगामी समय में कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही लुधावली, घोसीपुरा और ठकुरपुरा में ग्वाल टोली दिशासूचक बोर्ड लगाकर समाज के मार्ग प्रदर्शित किए जाने पर भी सहमति जताई गई जिससे भविष्य में बाहर से आने वाले समाज बन्धुओं सहित स्थानीय लोगों को भी ग्वाल समाज कहां निवास करता है इसकी जानकारी प्राप्त हो सकेगी और ग्वाल टोली के नाम यह छावनियां पहचानी जाएगी। बैठक में संगठन निर्माण के साथ आर्थिक रूप से संपन्न किए जाने को लेकर भी विचार व्यक्त किए गए और संस्था का पेनकार्ड बनने के साथ ही शीघ्र ही बैंक खाता खोलकर उसमें राशि जमा कराई जा सकेगी। इस बैठक में ग्वाल समाज सकल पंच शिवपुरी के महासचिव घोसीपुरा से नारायण गुजेले, सचिव मदन मोरिया, कार्य.अध्यक्ष ठकुरपुरा से भूपेन्द्र दीवान, उपाध्यक्ष ठकुरपुरा से धनीराम दीवान, लुधावली से बृजेश रियार सहित घोसीपुरा से ही हुकुमचंद महाते, चतुर्भुज हिन्नवार, मंगल अहीर, नरेन्द्र थम्मार, लुधावली से किशन लाल मोहनियां, खुमान चंदेल, गंगाराम मोहनियां, परसादी थम्मार, दिनेश मोहनियां, ठकुरपुरा से गोपाल कछवाए, गोपाल रायठौर भगतजी, वंशी रायठौर, आदि मौजूद रहे।

करैरा रेंज की बांस पहाडिया बीट के 5 हैक्टेयर में भड़की आग, रेंजर के प्रयासों से पाया काबू

शिवपुरी, ब्यूरो

जिले के करैरा रेंज के बांस पहाडिया बीट के जंगल में रविवार के रोज एकाएक आग भड़क गई। जंगल में भड़की आग से धुएं का गुबार आसमान पर छाया तो इसकी सूचना मिलते ही फॉरेस्ट विभाग ने फायर बिग्रेड की मदद से आग पर काबू पाया। आग किन कारणों से लगी इसका पता फिलहाल नहीं लग सका है। जानकारी के मुताबिक दोपहर करैरा रेंज के बांस पहाडिया बीट के जंगल में आग भड़कने की सूचना फॉरेस्ट विभाग के अधिकारियों को मिली थी। आग की सूचना लगते ही फॉरेस्ट विभाग ने मय दल बल के आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया था। इसके बाद मौके पर पहुंचकर फायर बिग्रेड ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत की बाद के बाद आग पर जैसे-तैसे काबू पाया था। इस घटन को लेकर रेंजर अनुराग तिवारी ने बताया कि पांच हैक्टेयर जंगल में आग फैल चुकी थी। जिस पर समय रहते काबू पा लिया गया। आग किन कारणों से लगी इसका पता फिलहाल नहीं सका है। आग की इस घटना में फॉरेस्ट सहित सिद्धन मंदिर के पेड़ झुलस गए। घटना के बाद अब हालात सामान्य है और रेंजर अनुराग तिवारी के प्रयासों से जंगल में फैलने वाली आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया अन्यथा यह आग आगे भी बढ़ सकती थी।

रीजनल डीलर अवार्ड से विक्रम सिंह हुए सम्मानित

शिवपुरी, ब्यूरो

विगत दिवस शिवपुरी के टूरिस्ट विलेज में अपोलो टायर कंपनी द्वारा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शिवपुरी के ऑथराइज्ड डीलर विक्रम सिंह संचालक रावत एंड ब्रदर्स को रिजिनल डीलर अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्ष 2023-24 का वेस्ट रीजनल अवार्ड देने वालो में कंपनी की ओर से रीजनल अधिकारी राजीव सिंह एवं मार्केटिंग अधिकारी हिरेंद्र यादव,राम,सिद्धार्थ शामिल रहे। कंपनी द्वारा इन्हें रीजनल डीलर अवार्ड से सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि विक्रम सिंह रावत पिछले कई वर्षो से अपोलो टायर्स में अपना बेहतरीन परफॉर्मेंस देते रहे हैं और यही कारण है कि आज कंपनी द्वारा इन्हें रीजनल डीलर अवार्ड से सम्मानित किया गया है विक्रम सिंह रावत ने इस मौके पर कहा कि यह अवार्ड मैं अपने सभी स्टाफ एवं शुभचिंतकों को डेडिकेट करता हूं जिनकी बदौलत आज मुझे यह सम्मान प्राप्त हुआ है मैं कंपनी की प्रगति के लिए आगे भी ऐसे ही कार्य करता रहूंगा। अपोलो टायर्स द्वारा आयोजित इस समारोह में शहर के जानेमाने ट्रांसपोर्ट व्यवसाई शामिल हुए थे।

ग्वालियर पहुंचकर सिंधिया समर्थकों के द्वारा कै.माधवीराजे सिंधिया को दी श्रद्धांजलि

शिवपुरी. कै.माधवीराजे सिंधिया के निधन के पश्चात ग्वालियर में सिंधिया समर्थकों के द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। यहां स्वयं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष उनके समर्थकों के द्वारा पंक्तिबद्ध होकर कै.माधवीराजे सिंधिया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक संवेदनाऐं जताई जा रही है। इसी क्रम में शिवपुरी विकास मंच के साथ-साथ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं कैट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के द्वारा भी ग्वालियर पहुंचकर कै.माधवीराजे सिंधिया को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके अलावा महल का चरण सेवक मनोज अरोरा टिन्नी सहित कैलाश कुशवाह नरवर, लव तिवारी, मनीष सोनी अध्यक्ष स्वर्णकार समाज, पंकज गर्ग व यश गौतम आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही नगर पालिका के पार्षदों के द्वारा भी ग्वालियर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी गई जिसमें वार्ड क्र.17 से पार्षद यादव सहित अन्य पार्षदगण शामिल रहे।

चलित खाद्य प्रयोगशाला 20 मई से 22 मई तक जिले में भ्रमण करेगी

शिवपुरी.चलित खाद्य प्रयोगशाला लैब के माध्यम से अब जिले में कोई भी नागरिक खाद्य पदार्थ की शुद्धता की जांच करवा सकता है। चलित खाद्य प्रयोगशाला 20 मई से 22 मई तक तहसील कोलारस, बदरवास शिवपुरी एवं करेरा में भ्रमण करेंगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अभिहित अधिकारी ने बताया कि चलित खाद्य प्रयोगशाला के 20 मई को कोलारस एवं बदरवास में तथा 21 मई को तहसील शिवपुरी के मेला ग्राउंड के भ्रमण कार्यक्रम हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी विष्णुदत्त शर्मा को नियुक्त किया गया है। 22 मई को तहसील करैरा में आयोजित भ्रमण कार्यक्रम हेतु खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

यूपी के युवक ने युवती का अपहरण कर किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया मामला दर्ज

शिवपुरी।शहर के देहात थाना क्षेत्र के पुरानी शिवपुरी में निवासरत एक 25 साल की युवती के साथ यूपी के कासगंज के एक युवक ने अपहरण कर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने की घटना को कारित किया है। इस मामले की शिकायत पीडिता ने पुलिस थाना देहात में की। जहां पुलिस ने इस मामले में आरोपी को फिर से शिवपुरी आने पर दबौच लिया है। जानकारी के अनुसार पुरानी शिवपुरी निवासी एक 25 साल की युवती के नंबर पर बीते कुछ समय पहले एक कॉल आया। इस कॉल के जरिए युवती की इस युवक से बात होने लगी। तभी दोनों के बीच प्यार पनप गया जहां आरोपी शिवपुरी आया और युवती को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगाकर कासगंज ले गया। जहां आरोपी ने युवती के साथ रेप की बारदात को अंजाम दिया। जैसे तैसे युवती इस आरोपी के चंगुल से छूटी और शिवपुरी पहुंचकर इस मामले में आरोपी के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद आरोपी का फिर से फोन आया और उसने युवती को फिर से साथ चलने की बात कही। जिसपर युवती ने उसे शिवपुरी बुला लिया। जब वह शिवपुरी पहुंचा तो बस स्टेण्ड पर पुलिस ने उसे दबौच लिया।

जैन मिलन की शाखा बामौरकलां के प्रमोद मोदी बने अध्यक्ष, महामंत्री संजय मोदी

शिवपुरी/बामौरकलां। जैन मिलन शाखा बामौर कलां की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। निर्वाचन अधिकारी अतिवीर देवेंद्र जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन मिलन,वीर मुकेश जैन पत्रकार राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री जैन मिलन,वीर मुकेश जैन कराई क्षेत्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष जैन मिलन,मंगल सिंघई जैन, समाज अध्यक्ष थे। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन की धर्मशाला में बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम मंगलाचरण किया गया बैठक में सत्र 2024-25 के लिए अध्यक्ष पद पर बामौर कलां के प्रमोद जैन मोदी को मनोनीत किए गए हैं। नवगठित कार्यकारिणी में महामंत्री संजय मोदी,उपाध्यक्ष ऋषभ व्या, अमित मोदी, राहुल सिंघई, ऋषभ पांडे ,मंत्री अनुपम मिठ्या, मनीष मिठ्या, अमित मोदी, राहुल सिंघई कोषाध्यक्ष पुष्पेन्द्र बड़कुल जैन, प्रचार मंत्री संजीव पांडेय, अतुल जैन, संयोजक मुकेश चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य सुनील व्या, इन्द्रसेन मिठ्या, अकलंक मोदी,अशोक मोदी,अमित सिंघई,शैलेष पांडे, अभिषेक जैन मेडिकल, अमित गोलू सिंघई,विमलेश जैन को सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया है। निर्वाचन समिति ने कहा कि जैन मिलन की यह नवीन कार्यकारिणी अधिक सक्रियता से समाज सेवा के कार्य करेगी। उल्लेखनीय है कि जैन मिलन अपनी समाजसेवी गतिविधियों से समाज में अपना विशिष्ट स्थान रखती है

बुजुर्ग की रेल्वे ट्रैक पर मिली लाश, जांच शुरू

शिवपुरी। जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के लुकवासा चौकी क्षेत्र के डोडियाई गांव में रेलवे क्रॉसिंग पर एक बुजुर्ग की लाश मिली है। बुजुर्ग की लाश क्षत विक्षित हालात में ग्रामीणों के देखी और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद लुकवासा चौकी को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने बुजुर्ग की पहचान देहरदा सड़क के रहने बाले 60 वर्षीय राजेन्द्र रघुवंशी के रूप में की है। बताया गया है कि राजेंद्र रघुवंशी किसी मालगाड़ी की चपेट में आ गया था। जिससे उसकी जान गई है। हालांकि इस पता नही चल पाया है कि वृद्ध इतनी दूर रेलवे पटरी पर क्यों पहुंचा और किस मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हुई है। एक्सीडेंट या फिर सुसाइड पुलिस दोनों ही एंग्लों से जांच कर रही है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया और शव को कब्जे में लेकर पीएम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

ऑपरेशन मुस्कान : पुलिस थाना पिछोर द्वारा घर से गुम हुए नाबालिंग बालक को किया बरामद

शिवपुरी-थाना प्रभारी पिछोर निरी. रत्नेश सिहं यादव को रवि साहू सिरसा मंदिर सेमरी रोड पिछोर ने जरिये फोन पर सूचना दी कि एक नाबालिंग लडका जिसकी उम्र करीब 08 साल जो रोड पर रोता हुआ घूम रहा है जो अपना पता व माता पिता का नाम नही बता पा रहा है उक्त व्यक्ति के द्वारा सूचना दिये जाने पर वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराकर तत्काल पुलिस टीम भेज कर बच्चे को थाना लाया गया एवं बच्चे को खाना पीना खिलाकर बाद नाबालिंग बच्चा शिवम विश्कर्मा से पुलिस द्वारा तसल्ली से पूछताछ करने पर उसने अपने पिता का नाम नन्दराम विश्वकर्मा एंव मां का नाम रविता विश्कर्मा बताया परन्तु रहने का पता नही बता पा रहा था।

उत्साह

समर कैंप में तैराकी , क्रिकेट , स्केटिंग की सीख रहे हैं बारीकियां

दून स्कूल समर कैंप के 15 दिन, बच्चों में उत्साह व ऊर्जा का हो रहा संचार

शिवपुरी, ब्यूरो

ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रारंभ होते ही बच्चे कुछ नया सीखने और इन छुट्टियों का आनंद उठाने को लेकर उत्साहित रहते हैं।कुछ बच्चे जहां अपने नाना नानी के यहां या किसी हिल स्टेशन पर घूमने का प्लान करते हैं तो वहीं कुछ बच्चे कुछ नया सीख कर इसका आनंद लेने की योजना बनाते हैं ।जिले का प्रतिष्ठत दून पब्लिक स्कूल ऐसे बच्चों के लिए आउटडोर गेम्स के समर कैंप को लेकर आया है जिसमें बच्चे न केवल कुछ नया सीख रहे हैं बल्कि अपनी ऊर्जा का भी सही इस्तेमाल कर रहे हैं। विगत एक मई को स्कूल के प्रथम समर कैंप का शुभारंभ हुआ था जिसमें क्रिकेट ,स्केटिंग व जिले में प्रथम बार तैराकी का प्रशिक्षण बेहतरीन कोच की देखरेख में प्रारंभ किया गया है।जहां

क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त समी खान सर के मार्गदर्शन में घास व कोटा स्टोन के विश्व स्तरीय विकेट पर नेट प्रैक्टिस के साथ विभिन्न आधुनिक तकनीक से बच्चों को क्रिकेट की बारीकियां सिखाई जा रही हैं वहीं स्केटिंग व तैराकी में विभिन्न ट्रिक के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है की दून स्कूल जिले का पहला स्कूल है जहां बच्चों को तैराकी का विधिवत प्रशिक्षण कुशल कोच की देख रेख में दून स्कूल परिसर में नव निर्मित स्विमिंग पूल में दिया जा रहा है। दून स्कूल की संचालिका डॉक्टर खुशी खान ने बताया कि हमारे द्वारा प्रथम बार यह समर कैंप लगाया गया है जिसमें पालकों ने हमारे ऊपर विश्वास जताया है ।अभी कैंप में तकरीबन 70 से अधिक बच्चे विभिन्न खेलों में ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। समर कैंप में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अभी जारी है। यह समर कैंप 15 जून तक चलेगा । इच्छुक पालक दून के सिटी ऑफिस रेडिएंट कॉलेज, महल रोड जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। बच्चों को दून केंपस लाने ले जाने हेतु निशुल्क बस सुविधा रेडिएंट कॉलेज महल रोड से रखी गई है।अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9425784575 पर संपर्क कर सकते हैं ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा 51, सत्यदेव नगर गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं 27 बहार खाण्डे राव गेट गांधी भवन के सामने, झांसी से प्रकाशित , RNI No. UPHIN/2013/52735 स्थानीय संपादक तपस्वी श्रीवास्तव मो. 8518882202, फोन. 0510-2351835